ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 332 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
30 मई 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
32 अधिकतम
24 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कल मेगा शो, आज मेगा बाईक रैली

आज सुबह मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अहिल्या वाहिनी महिला बाइक रैली को शौर्य स्मारक से झंडी दिखाकर रवाना किया। अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के उपलक्ष में मनाए जा रहे जनकल्याणी पर्व के अंतर्गत यह महिला बाइक रैली निकाली गई। पुलिस बैंड और पुष्प वर्षा के बीच यह रैली रवाना हुई।

सीएम ने कहा-नारी शक्ति की दृढ़ता, आत्मनिर्भरता और बदल रही सामाजिक सोच

ऑपरेशन सिंदूर : मोदी के लिए सजी राजधानी, स्वागत करेंगी महिलाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देश के कई राज्यो का दौरा कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में होंगे। इस दौरान भारी संख्या में महिलाएं उनका स्वागत करेंगी, जिनसे प्रधानमंत्री संवाद करेंगे। मोदी महिला सशक्तिकरण की प्रतीक अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर आयोजित महिला सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित करेंगे। खास बात यह कि इस आयोजन में प्रधानमंत्री के स्वागत, सुरक्षा और संचालन की समूची जिम्मेदारी महिलाएं निभाएंगी। आज सुबह मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस सम्मेलन व जनकल्याण का संदेश देने महिलाओं की बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसे अहिल्यावाहिनी रैली नाम दिया गया। उन्होंने कहा यह रैली केवल आयोजन मात्र नहीं, बल्कि नारी शक्ति की दृढ़ता, आत्मनिर्भरता और बदलती सामाजिक सोच का प्रतीक है। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा व अन्य शीर्ष अफसर मौजूद रहे।

इधर कल मोदी के भोपाल आगमन से पहले उनके स्वागत के लिए सरकार और भारतीय जनता पार्टी ने कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। कई स्थानों पर महिला सशक्तिकरण से जुड़ी कहानियों के होर्डिंग लगाए गए हैं। वहीं मुख्य मार्गों पर ऑपरेशन सिंदूर को लेकर महिलाओं की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित करने वाले होर्डिंग भी ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। कल भोपाल में मोदी इंदौर मेट्रो के सुपर कॉरिडोर का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वे सतना व दतिया के नए हवाई अड्डे का लोकार्पण करेंगे। साथ ही सिंहस्थ कार्यों की शुरुआत करते हुए क्षिप्रा नदी के किनारे घाटों के निर्माण हेतु वर्चुअल भूमिपूजन करेंगे। मोदी कल भोपाल के जंबूरी मैदान में आयोजित होने वाले जिस सम्मेलन को संबोधित करेंगे, उसके बारे में दावा किया जा रहा है कि इसमें राज्य भर में लगभग ढाई लाख से अधिक महिलाएं शामिल होंगी। तैयारियों के क्रम में आज मुख्यमंत्री मोहन यादव शाम को जंबूरी मैदान का दौरा कर महिला सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लेंगे। इसके पहले डॉ यादव ने कल रात भी पीएम मोदी के भोपाल आगमन के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लोकमाता देवी अहिल्या बाई की जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश आगमन से लोकमाता के सामाजिक प्रकल्पों की गूंज भी देश-विदेश में पहुंचेगी। बैठक में आयोजन स्थल पर प्रतिभागियों के लिए बैठक व्यवस्था, उनके लिए पेयजल प्रबंध, पार्किंग, चलित शौचालय, कार्यक्रम स्थल पर मौसम के अनुकूल आवश्यक प्रबंध, मंच व्यवस्था और प्रदर्शनी स्थल के संबंध में निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार तैयारियों की जानकारी दी गयी।

अपना वचन पूरा करके आया हूं...

आज बिहार के सासाराम में जनसभा में पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम हमले के 1 दिन बाद मैं बिहार आया था। मैंने बिहार की धरती से जो वचन दिया था वो पूरा किया। मैंने कहा था माताओं का सुहाग उजाड़ने वालों को कल्पना से भी बड़ी सजा होगी। ऐसी ही सजा उन्हें दी गई। हमारी सेना ने आतंकियों के ठिकानों को खंडहर में बदल दिया। उन्होंने कहा कि दुश्मन जान ले कि 'आपरेशन सिंदूर' हमारे तरकश का सिर्फ एक तीर है। आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई न रुकी है और न थमी है। आतंक का फन फिर उठेगा तो बिल से खींचकर कुचलेंगे। चाहे सीमा पार हो या फिर सीमा के अंदर हो।'

जमीनी सीएम गढ़ रहे विकास की नई इबारत

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

सूबे के सीएम मोहन यादव ने एक जमीनी नेता के रूप में लगभग डेढ़ साल में विकास से लेकर सामाजिक करोकारों की जो छाप छोड़ी है,उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर देश के गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह को कायल कर रखा है। ऐसा कोई हफ्ता नहीं जाता जब मोदी या शाह से मोहन यादव का दिल्ली यात्रा के दौरान मुलाकात नहीं होती। ऐसा महीना नहीं जाता जबकि मोहन यादव मध्यप्रदेश के किसी भी विकास या सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम के लिए प्रधानमंत्री मोदी या अमित शाह को मध्यप्रदेश नहीं ले आते, या वर्चुअल माध्यम के जरिए वे प्रदेश की कोई न कोई योजना का शिलान्यास या लोकापर्ण नहीं कराते। कायदे से मोदी और शाह को नवंबर में बिहार में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों के लिए फोकस करना चाहिए। मध्यप्रदेश में कोई चुनाव नहीं होने के बावजूद उन्होंने भाजपा के इन दोनों सबसे ताकतवर नेताओं को इस जमीनी नेता (मोहन यादव) ने अपना मुरीद बना रखा है। कहने को तो भाजपा के पास यादव नेता के रूप में केंद्रीय मंत्री के बतौर भूपेंद्र यादव सरीखे सत्ता से लेकर संगठन तक अपनी साख बनाने वाले नेता मौजूद हैं लेकिन मोदी-शाह मोहन यादव को भाजपा के सबसे बड़े यादव नेता के रूप में स्थापित करने की मुहिम में जुटे हैं। लोकसभा चुनावों को दौरान यादव नेता के बतौर उनको यूपी में कोई खास राजीनीतिक फायदा नहीं हुआ लेकिन भाजपा बिहार विधानसभा चुनाव में जमीनी पकड़ वाले मोहन यादव का बिहार चुनावों में जमकर इस्तेमाल करना चाहते हैं। इसी के चलते वे मप्र के किसी भी सरकारी कार्यक्रम के लिए मोहन यादव को न नहीं कह देते। वे बिहार के यादव मतदाताओं को यह जता देना चाहते हैं कि भाजपा भी यादव समाज के नेता को गढ़ सकती है। यादवी संघर्ष से जूझ रहे लालू यादव के राजद परिवार से किला लड़ाने को तैयार कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश में सोलह साल तक मुख्यमंत्री रहे शिवराज सिंह की छवि जहां एक गरीब किसान नेता की रही है। चौहान का फोकस भी अपनी मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री तक गांव, गरीब और किसान नेता की छवि बनाए रखे हैं, वहीं उज्जैन विश्वविद्यालय से साइंस के विद्यार्थी होने के नाते मोहन यादव गांव से लेकर शहरी इलाकों में विकास की नई इमारतें गढ़ने में जुटे हुए हैं। 2013 में उज्जैन से विधायक बने साठ वर्षीय मोहन यादव बीएससी से लेकर एलएलबी,एमए, एमबीए की पढ़ाई से लेकर पीएचडी की डिग्री करके अब डॉ मोहन यादव कहलाते हैं। जलसंवर्धन योजना के जरिए वे वाटर मैन भी बनना चाहते हैं।

बरसों से रूका इंदौर भोपाल का मास्टर प्लान अभी भी कब आएगा इसका पता नहीं लेकिन मोहन यादव जहां एक तरफ शहर से लगी कृषि भूमि को आवासीय में तब्दील करने की मुहिम में लगातार जुटे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने फसलों का रकबा बढ़ाने और भूगर्भीय जल के स्तर को ऊपर उटाने की मुहिम गंगा जल संवर्धन अभियान के तहत छेड़ रखी है जो 30 जून तक चलने वाली है। इसके तहत खेत तालाब से लेकर सूखे नलकूपों की रीचार्जिग से लेकर पुराने कुए बावडियों के जीर्णोद्धार का काम शामिल रहै। यानि वह आवासीय होती खेती की जमीनों के बदले बची हुई खेती की जमीन से फसलों का उत्पादन बढ़ाकर उसकी भरपाई करना चाहते हैं। इसके लिए निजी भागीदारी से लेकर सरकारी अनुदान तक की योजनाएं चलाई गई हैं। कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटैल, राजेंद्र शुक्ला, जगदीश देवड़ा और राकेश सिंह जैसे कद्दावर और काबिल सीनियर मंत्रियों और नरेंद्र सिंह तोमर सरीखे अनुभवी नेता विधानसभा अध्यक्ष जो पूर्व में राज्य और केंद्र में मंत्री रह चुके हैं,के साथ कदमताल करते हुए वह अपना मुकाम बनाने में जुटे हैं। राजघराने से जुड़े ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे काबिल नेताओं का बेहतर इस्तेमाल नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। वहीं मोहन यादव ने इंदौर के होल्कर वंश की न्यायप्रिय, धर्मपरायण और पारंगत तीरंदाज जैसी रानी देवी अहिल्या की तीन सौ वी जयंती के मौके पर कल भोपाल के जंबूरी मैदान में महिलाओ का विशाल सम्मेलन आयोजित कराया है जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करने जा रहे हैं। इधर प्रदेश भाजपा के मीडिया संवाद प्रमुख आशीष अग्रवाल के मुताबिक इसमें भोपाल, इदौर, उज्जैन और सागर संभाग की महिला स्व सहायता समूहों के जरिए काम करके आत्मनिर्भर बन रही महिलाओं के साथ ही महिला उद्यियों से लेकर महिला मजदूरों तक सभी को बुलाया जा रहा है। नारी सशक्तिकरण के तहत आयोजन के दौरान जहां सूबे की सारी महिला मंत्रियों को मंच पर जगह दी जा रही है वहीं तीन हजार सुरक्षा बलों के साथ महिलाओं को भी कार्यक्रम के दौरान व्यवस्थाएं संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विरासत से विकास की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान गांव और शहरी महिलाओं से साथ इंदौर में मेट्रो रेल तथा सतना और दतिया के नवविकसित हवाई अड्डों का वर्चअुली लोकापर्ण किया जाएगा। आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की नायिका के बतौर उभरी कर्नल सौफिया कुरैशी व्योमिका सिंह के अवदान को भी रेखांकित किया जाएगा।

अंकिता हत्याकांड के तीनों आरोपी दोषी करार

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में अदालत ने अब अपना फैसला सुना दिया है। कोटद्वार की अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने फैसला तीनों आरोपियों- पुलकित आर्य, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को दोषी करार दिया है। अब सजा का ऐलान होना बाकी है। दो साल पुराने इस केस में उत्तराखंड ही नहीं, पूरे देश की नजरें कोर्ट के इस फैसले का इंतजार कर रही थीं। ऋषिकेश के करीब वंतारा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करने वाली 19 वर्षीया अंकिता की सितंबर, 22 में रिजॉर्ट संचालक पुलकित आर्य ने अपने दो अन्य कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर चीला नहर में धक्का देकर हत्या कर दी

मानसून लेट लेकिन आंधी-पानी 36 जिलों में समय पर

भोपाल। नौतपा के छठवें दिन, आज शुक्रवार को भी मध्यप्रदेश में बारिश होगी। मौसम विभाग ने भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर समेत 36 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। नरसिंहपुर समेत 6 जिलों में आंधी की रफ्तार 60 किमी प्रतिघंटा तक रहेगी। इससे पहले गुरुवार को 10 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी और बारिश का दौर जारी रहा। मौसम वैज्ञानिक दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी मध्यप्रदेश के ऊपर से एक टर्फ गुजर रही है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) भी एक्टिव है।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से चार मौतें, 27 गंभीर घायल, ठेकेदार हुआ फरार

मुक्तसर, एजेंसी।

बीती देर रात मुक्तसर के लंबी हलके के निकटवर्ती गांव सिंघेवाला-फतूहीवाला के खेतों में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में भयंकर विस्फोट हो गया। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। जबकि 27 मजदूरों के गंभीर रूप से घायल होने की प्रारंभिक रिपोर्ट आ रही है। घायलों को बठिंडा एम्स रेफर कर दिया गया है। बताते हैं कि इस विस्फोट में फैक्टरी की दो मंजिलें पल भर में मलबे में बदल गई। यह दुर्घटना फैक्टरी के पटाखा बनाने वाले यूनिट में रात्रि करीब साढ़े बारह बजे घटित हुई। कि फैक्टरी में पटाखे बनाने का काम उत्तर प्रदेश के हाथरस निवासी ठेकेदार राज कुमार के अधीन होता था। ठेकेदार घटना के बाद से फरार है। घटनास्थल पर कार्सेर कंपनी के बक्सों में तैयार पटाखे पड़े थे।

कोविड के वैरियंट पर पुराना वैक्सीनेशन बेअसर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं तथा एक्टिव केसों की संख्या 13 सौ से ज्यादा हो गई है, वहीं 15 मरीजों की मौत भी हुई है। उधर बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर ज्ञानेश्वर चौबे ने बताया कि कोविड की चौथी लहर आती है तो उसका असर 21 से 28 दिन तक रहेगा। वैक्सीनेशन नए वैरिएंट का असर होने से नहीं रोक सकेगा। वहीं आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर मणींद्र अग्रवाल ने कहा- 2022 के बाद नए वैरिएंट की वजह से कोविड पेशेंट कई बार बढ़े हैं, लेकिन कोई गंभीर स्थिति नहीं देखी गई।

मस्क मेरे साथ हमेशा बने रहेंगे : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के अरबपति कारोबारी एलॉन मस्क ने कल ट्रंप प्रशासन से इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया था लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की रवानगी पर पहली दी व सोशल मीडिया पोस्ट में मस्क की तारीफ की। उन्होंने बताया कि वह मस्क के साथ व्हाइट हाउस में कल एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। यह उनका आखिरी दिन होगा लेकिन वह हमेशा हमारे साथ रहेंगे और हमारी मदद करेंगे। एलॉन बेहतरीन शख्स हैं। मस्क ने कल ही बताया था कि अमेरिकी सरकार में विशेष कर्मचारी के तौर पर उनके कार्यकाल का अंत हो रहा है। वह सरकार के बेफिजूल खर्चों को कम करने के लिए अवसर देने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आभार जताते हैं।

मेट्रो एंकर | शेयर बाजार में धोखाधड़ी पर अभिनेता अरशद समेत 58 लोग बैन

सेबी के शिकंजे में सर्किट, एक साल के लिए बाजार में बैन!

मुंबई, एजेंसी।

शेयर बाजार नियामक संस्था सेबी ने अभिनेता तथा 'सर्किट' नाम से मशहूर अरशद वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई को एक साल के लिए सिक्योरिटी मार्केट में बैन कर दिया है। वारसी के अलावा, 58 अन्य लोगों को भी सेबी ने बैन किया है। सेबी का कहना है कि ये लोगों मार्केट में धोखाधड़ी जैसे कामों में पाए गए। सेबी ने बैन के अलावा, कुछ लोगों पर 5-5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है और कुल मिलाकर 1.05 करोड़ की अवैध कमाई जब्त करने का भी आदेश दिया है। यह कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड के शेयरों के साथ छेड़छाड़ पर हुई। सेबी के मुताबिक, ये लोग कंपनी के शेयर भाव को मनमानी तरीके से बढ़ाकर उन्हें ऊंचे दाम पर बेचने यानी पंप और बिक्री (डंप) करते थे। इस मामले में गौरव गुप्ता सबसे बड़े लाभार्थी के रूप में उभरे, जिन्होंने कथित तौर पर पंप एंड डंप के जरिए 18.33 करोड़ रुपये कमाए। योजना में 'पंप एंड डंप' योजना शामिल थी, जिसमें प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी बेचने से पहले शेयर की कीमत को कृत्रिम रूप से बढ़ाने के लिए भ्रामक यूट्यूब वीडियो का उपयोग किया गया। खुलासे में, सेबी ने पांच यूट्यूब चैनलों की पहचान की है - द एडवाइजर, मिडकैप कॉल्स, प्रॉफिट यात्रा, मनीवाइज और इंडिया बुलिश - जो गलत सूचना फैलाने में भागीदार हैं।

मार्केट में धोखाधड़ी को लेकर जांच के बाद 58 लोगों पर करोड़ों रूपए का जुर्माना

चैट से सामने आया कनेक्शन

इस मामले में पांच करोड का जुर्माना मनीष मिश्रा पर भी लगा है और मनीष तथा अरशद वारसी के बीच व्हाट्सएप चैट से पता चला कि वारसी, उनकी पत्नी और उनके भाई को 25-25 लाख रुपये ट्रांसफर करने की मंशा थी। सेबी के अंतिम आदेश में सात व्यक्तियों पर पांच साल का प्रतिबंध और 54 अन्य पर एक साल का प्रतिबंध शामिल है। एजेंसी ने कहा है कि यह अपराधों की गंभीरता को दर्शाता है। बताया जाता है कि यूट्यूब चैनलों ने भी कंपनी की झूठी वित्तीय स्थिति बताकर लोगों को गुमराह किया। यह कार्रवाई भविष्य में शेयर बाजार में धोखाधड़ी से बचाव के लिए एक सख्त संदेश मानी जा रही है।

अस्पताल प्रबंधन ने कहा-मरीज अपनी जांच और इलाज के लिए स्वतंत्र

सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की लापरवाही, मरीज ने थमाया नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी स्थित सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल को लेकर लापरवाही के आरोप का बड़ा मामला सामने आया है। जहां सागर निवासी पत्रकार और व्यवसाई अजय दुबे ने अस्पताल प्रबंधन पर मेडिकल चेकअप में लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाते हुए अपने वकील के माध्यम से नोटिस भेजा है। जिसमें अजय दुबे ने सागर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल भोपाल पर गलत निदान और भय का माहौल बनाकर मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न और व्यवसायिक नुकसान पहुंचाने की बात कही है। हालांकि अस्पताल प्रबंधन के क्वालिटि मैनेजर अनुपम तिवारी का कहना है कि अस्पताल में आने वाला मरीज अपनी जांच और इलाज के लिए स्वतंत्र है। किसी प्रकार का दबाव किसी मरीज पर नहीं होता है। जो भी आरोप लगाए जा रहे हैं वह निराधार हैं। सभी प्रकार की जांचों की अपनी-अपनी एक प्रक्रिया होती है।

यह है पूरा मामला

दुबे का कहना है कि वह 10 अप्रैल 2025 को अपनी नियमित हृदय जांच के लिए एसएचएम पहुंचे थे, जहां उन्हें कार्डियक सीटी एंजियोग्राफी (सीसीटीए) के आधार पर बताया गया कि उन्हें त्रैतीय वाहिका रोग है और मध्य कोरोनरी धमनियों में 100 प्रतिशत ब्लॉकेज है। अस्पताल द्वारा कहा गया कि किसी भी प्रकार की हलचल से कार्डियक अरेस्ट हो सकता है और तुरंत सर्जरी जरूरी है। इस भयावह सूचना से आहत होकर मरीज अजय दुबे को अपना 14 अप्रैल 2025 को मस्कट, ओमान के लिए निर्धारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्यापारिक दौरा रद्द करना पड़ा जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ। हालांकि, उन्होने ने मुंबई के सुराणा हॉस्पिटल में वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रमेश कवार से दूसरी राय ली। 14 अप्रैल को कराई पारंपरिक इनवेसिव एंजियोग्राफी में यह पाया गया कि केवल एक धमनियों में 40 प्रतिशत ब्लॉकेज है, जो सर्जरी की आवश्यकता नहीं रखता और सामान्य औषधीय उपचार से नियंत्रित किया जा सकता है। जिनके अनुसार रिपोर्ट में कोई भी गंभीर समस्या नहीं है और ऐसी स्थिति 60 वर्ष की आयु में आम होती है। पूर्व अस्पताल की रिपोर्ट अत्यधिक भ्रामक और गलत है।

1 करोड़ रूपए का मुआवज़ा की मांग

दुबे ने इस घटना से आहत होकर उन्होने अब कानूनी नोटिस जारी करते हुए अस्पताल प्रबंधन से 1 करोड़ रूपए का मुआवज़ा और 50,000 रूपए की कानूनी नोटिस लागत की मांग की है। वहीं, 15 दिनों के भीतर निपटारा न होने पर, अस्पताल के खिलाफ मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, उपभोक्ता फोरम, और अन्य नागरिक एवं आपराधिक मंचों पर मुकदमा दायर किया जाएगा। मरीज के वकील, अधिवक्ता ऋषि कुमार मिश्रा का कहना है कि यह केवल एक मरीज की लड़ाई नहीं है, बल्कि भारत में हो रहे मेडिकल भ्रांतियों और लालच के खिलाफ एक चेतावनी है।

10 हजार 339 सीटें रह गई खाली, अब द्वितीय चरण की लॉटरी को लेकर असमंजस बरकरार

आरटीई में 83 हजार बच्चों को सीट आवंटित 28,517 पात्र बच्चों को नहीं मिला कोई स्कूल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रदेश के 83 हजार 483 बच्चों को उनकी पसंद के निजी स्कूलों की सीटें आवंटित की गई हैं। हालांकि 28,517 पात्र बच्चों को कोई स्कूल आवंटित नहीं हो सका है। वहीं 10 हजार 339 सीटें खाली रह गई हैं। अब द्वितीय चरण की लॉटरी को लेकरर असमंजस बरकरार है, क्योंकि आरएसके द्वारा इस संबंध में अब तक कोई सूचना जारी नहीं की गई है।

दरअसल, शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया के लिए इस वर्ष प्रदेश के पात्र 18 हज़ार 422 निजी स्कूलों को शामिल किया गया था।?इन स्कूलों की 93 हज़ार 822 सीटों हैं। जिनमें से 10 हजार 339 सीटें खाली रह गई हैं। वहीं करीब 28 हजार 517 पात्र बच्चों को कोई स्कूल आवंटित नही हुआ है। ऐसे में पहले चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिक्त सीटों के दूसरे चरण की लॉटरी का भी आयोजन किया जा सकता है।

43 हजार 363 बालक एवं 40 हजार 120 बालिकाएं

राजधानी स्थित राज्य शिक्षा केन्द्र में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत आयोजित की गई ऑनलाईन लॉटरी के माध्यम से सीटों का आवंटन किया गया। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र हरजिंदर सिंह ने आरटीई के तहत ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक कर सीटें आवंटित की। इस वर्ष आरटीई के तहत लॉटरी के लिए दस्तावेज सत्यापन के बाद एक लाख 66 हज़ार 751 बच्चे पात्र हुए थे। जिनमें से 83 हजार 483 बच्चों को उनके द्वारा चयनित स्कूलों का आवंटन किया गया है। इनमें से 43 हजार 363 बालक एवं 40 हजार 120 बालिकाएं हैं। जिन्हे इस ऑनलाइन लॉटरी मे शामिल करते हुये रेंड़म पद्धति से स्कूल का आवंटन किया गया है। ऑनलाईन लॉटरी में विभिन्न प्रायवेट स्कूलों की नर्सरी कक्षा में 54 हजार 038, केजी-1 में 22 हज़ार 799 और कक्षा पहली में 6 हज़ार 646 बच्चों को निःशुल्क प्रवेश के लिये सीटों का आवंटन हुआ है।

आवंटित स्कूलों में 2 से 10 जून 2025 तक जाकर प्रवेश ले सकेंगे

जिन बच्चों को स्कूल का आवंटन हो रहा है, उन्हें उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस माध्यम से भी सूचना दी जा रही है। बच्चे उनके आवंटित स्कूलों में 2 से 10 जून 2025 तक जाकर प्रवेश ले सकेंगे। इन बच्चों की फीस राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार सीधे स्कूल के खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर की जाएगी।

ऐसे हुआ सीटों का आवंटन

ऑनलाइन लॉटरी में इनमें से 72 हजार 812 बच्चों को उनकी प्रथम वरीयता के स्कूलों का, 5 हजार 646 को द्वितीय वरीयता के स्कूलों का, 2 हजार 665 को तृतीय वरीयता के स्कूलों का, 924 को चतुर्थ वरीयता के स्कूलों का, 555 को पांचवीं वरीयता के स्कूलों का, 298 को छटवीं वरीयता के स्कूलों का, 235 को सातवीं वरीयता के स्कूलों का, 157 को आठवीं वरीयता के स्कूलों का, 90 को नवीं वरीयता के स्कूलों का तथा 101 को उनकी दसवीं वरीयता के स्कूलों का आवंटन हुआ है।

बिजली कंपनी शुरू करेगी मुहिम

राजधानी के खास इलाकों में थ्री फेज मीटर लगाने की शुरुआत

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के पॉश चार इमली, 74 बंगले, अरेरा कॉलोनी जैसे इलाकों में आगामी एक महीने के भीतर बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत की जा रही है। बिजली कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि इन इलाकों में थ्री-फेस स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। अभी शहर के अन्य इलाकों में सिंगल-फेस स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं।

बिजली कंपनी के भोपाल सिटी सर्कल के दक्षिण संभाग के अंतर्गत आने वाले कोटरा सुल्तानाबाद में दो दिन पहले स्मार्ट मीटर लगना शुरू हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, शहर में अब तक 1.50 लाख से ज्यादा स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। कोलार से इसकी शुरुआत की गई थी। फिर पूर्व संभाग के अंतर्गत आने वाले पुराने शहर के करोंद, भानपुर समेत आसपास के इलाकों में यह मीटर लगाए गए। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह का कहना है कि केंद्र सरकार की पावर सेक्टर की योजना रिवैंप्ड रिफॉर्म्स डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरआरडीएसएस) के तहत राजधानी में दो चरणों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे।

सटीक खपत बताने का जरिया

दरअसल थ्री फेज बिजली मीटर ऊर्जा की खपत को सटीक रूप से मापने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जो सटीक बिलिंग और ऊर्जा उपयोग के प्रबंधन में सहायक होते हैं। थ्री फेज मीटर भारी औद्योगिक मोटरों और अन्य उपकरणों को चलाने के लिए पर्याप्त शक्ति प्रदान करते हैं,यह सिंगल फेज मीटर की तुलना में बेहतर हैं,क्योंकि यह उच्च दक्षता वाले होते है। जिन इलाकों को थ्री फेज मीटर के लिये चुना गया है, वहां एयरकंडीशनर्स व अन्य भारी बिजली उपकरणों का खूब उपयोग होता है।

निरोगी जीवन के तीन मंत्र

उपवास, पेट की सफाई और नींद : डॉ. टेवानी

हिरदाराम नगर। आरोग्य केंद्र में 10 दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें गुरूवार को अनुभव सत्र हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने निरोगी काया के टिप्स दिए। वहीं, शिविरार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए। शिविर में देश के विभिन्न प्रांतों के 81 साधकों ने भाग लिया। डॉ. रमेश टेवानी ने इस अवसर पर बताया कि आजीवन निरोगी रहने के लिए उपवास, पेट की सफाई और नींद ये तीन चीजें जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि मनुष्य जीवन दुर्लभ है और इसका अंतिम लक्ष्य तन व मन से स्वस्थ होकर प्रभु के चरणों में समाना है। तन की स्वस्थता के लिए प्राकृतिक चिकित्सा और मन की स्वस्थता के लिए ध्यान, प्राणायाम व योग आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य पूरे भारत को दवा रहित व दर्द रहित बनाना है। शिविर में भाग लेने वाले कई साधकों ने अपने स्वास्थ्य में सुधार और जीवनशैली में बदलाव का अनुभव साझा किये। कार्यक्रम के अंत में डॉ. लता टेवानी ने आभार व्यक्त किया।

आयुक्त जनसंपर्क सुदाम खाड़े का सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

डा. सुदाम खाड़े, आयुक्त एवं सचिव जनसंपर्क ने 26 मई को ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय की भारतीय स्टेट बैंक की सामाजिक सेवा बैंकिंग के सहयोग से संचालित डिजिटाइजेशन परियोजना की प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने कम्प्यूटर पर अनेक डिजिटाईज पृष्ठों का अध्ययन किया। डा. खाड़े ने इस परियोजना के अगले चरण की तैयारी करने की जरूरत जतलाई जिसमें डिजिटाईज सामग्री को ऑनलाइन करने का सुझाव दिया। उन्होंने सप्रे संग्रहालय की अद्यतन वेबसाइट का भी अवलोकन किया। सप्रे संग्रहालय में 10 के.वी. सौर ऊर्जा पैनल की स्थापना को उन्होंने उपयोगी बताया। विश्व संग्रहालय दिवस पर परियोजना के लोकार्पण समारोह में डा. सुदाम खाड़े प्रवास पर होने के कारण सम्मिलित नहीं हो सके थे। ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय के स्थापना काल से मध्यप्रदेश जनसंपर्क सहयोगी और संबल की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस सहकार भावना के प्रति सप्रे संग्रहालय की ओर से मध्यप्रदेश जनसंपर्क के मुखिया होने के नाते डा. सुदाम खाड़े का आभार-सम्मान किया जाना था। 26 मई को बुद्धि के देवता श्रीगणेश की भव्य प्रतिमा और शाल भेंटकर यह दायित्व भी पूर्ण किया गया।

सिंधी संस्कृति और प्रतिभा को बढ़ावा देगा सिंधी टैलेंट हंट

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में वीना कला एवं सेवा समिति द्वारा साध्वी द्रोपदी धनवाणी की याद में सिंधी टैलेंट हंट का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सिंधी भजन/गीत, सिंधी डांस, सिंधी मिमिक्री और एक्टिंग जैसी प्रतियोगिताएं होंगी।

ऑडिशन 08 जून को सुबह 11:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक नंदवानी ऑडिटोरियम, संतनगर में होंगे। भाग लेने वाले बच्चों की आयु 8 से 18 साल के बीच होनी चाहिए और उन्हें अपना आधार कार्ड साथ लाना अनिवार्य है। प्रत्येक बच्चे को सोलो परफॉर्मेंस ही देनी होगी, जो बच्चे ऑडिशन में चुने जाएंगे, उनके लिए मुख्य फाइनल कार्यक्रम 14 जून 2025 को शाम 5:30 बजे से नंदवानी ऑडिटोरियम, संतनगर में ही आयोजित किया जाएगा। तीनों आयोजनों (सिंधी भजन/गीत, सिंधी डांस, सिंधी मिमिक्री/एक्टिंग) में अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे। पहला पुरस्कार 3100, द्वितीय पुरस्कार 2100 और तृतीय पुरस्कार 1100 होगा।

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अधिक जानकारी के लिए राकेश शेवानी अध्यक्ष, वीना कला एवं सेवा समिति से 9993946964, 9302479220, या 8109090399 पर संपर्क कर सकते हैं। फॉर्म वीना एसोसिएट्स एंड वीना ट्रेवल्स सिंधु समाज स्कूल के सामने और मिलेनियम इंटरप्राइजेज जैन मंदिर के सामने, संतनगर से प्राप्त किए जा सकते हैं।

झूलेलाल मंदिर में चंद्र दर्शन पर भक्तों की भीड़

हिरदाराम नगर। झूलेलाल मंदिर में हर माह होने वाले चंद्र दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे। जिन्होंने भजनों पर झूमते हुए अपनी आस्था प्रकट की। मंदिर परिसर को हर चंद्र दर्शन पर विशेष रूप से सजाया जाता है, और हर बार यह साज-सज्जा एक नए रूप में देखने को मिलती है, जो भक्तों में उत्साह और उमंग का संचार करती है। यह मासिक आयोजन चैतीचांद पर्व के बाद से लगातार जारी है, जिससे भक्तों को हर माह आध्यात्मिक आनंद प्राप्त होता है। मंदिर के ट्रस्टीगण ने भक्तों के साथ भजनों पर नृत्य किया।

सुशीला देवी को श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि पर हुआ भंडारा

हिरदाराम नगर। समाजसेवी किशन आसूदानी की बहन, सुशीला देवी की पुण्यतिथि माता ईश्वरी देवी सुशीला भवन धर्मशाला में मनाई गई। पूजा-पाठ के साथ दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। आम भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत सहित कई गणमान्य व्यक्तियों और समाजसेवियों ने सुशीला देवी को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में किशन आसूदानी, छाया आसूदानी, मनोज आसूदानी, हरजीत आसूदानी के साथ-साथ पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधु चांदवानी, कांग्रेस नेता नरेश ज्ञानचंदानी, भाजपा नेता राम बंसल, उप-ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस घनश्याम लालवानी, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष बागवानी, घनश्याम वासवानी, भरत आसवानी, नंद दादलानी, माधव पारदासानी, माखन सिंह राजपूत, महेश खटवानी, शेट्टी चंदनानी, अनिल टेकचंदानी, शेरू रीझवानी, बबलू टेकचंदानी, हेमू भाई, राजा छुगानी और कन्हैया बागवानी आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

मेट्रो एंकर

बाल अभिव्यक्ति शिविर में बच्चों को दिया मंत्र

जीवन को रंग से भर देती है कला : सिद्धभाऊजी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

सीखी हुई कला निस्संदेह मानव सुख में सबसे शुद्ध और उच्चतम तत्वों में से एक है। यह आँखों के माध्यम से मन को प्रशिक्षित करती है, और मन के माध्यम से आँखों को। जैसे सूरज फूलों को रंग देता है, वैसे ही सीखी हुई कला जीवन को रंग देती हैं। यह विचार संत सिद्धभाऊजी ने व्यक्त किए। वे साधु वासवानी स्कूल में एक माह से चल रहे आयोजित बाल अभिव्यक्ति शिविर के समापन अवसर पर बोल रहे थे। शिविर में विभिन्न विद्यालयों के लगभग 475 विद्यार्थियों ने भाग लिया। समापन कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई, कार्यक्रम में अतिथि के रूप में रिटायर्ड कर्नल नारायण पारवानी ने भी अपने विचार रखे। सिद्धभाऊजी ने कहा कि जहां ग्रीष्मकालीन अवकाश में विद्यार्थी अक्सर घर पर टीवी, मोबाइल और सोने में समय व्यतीत करते हैं, वहीं शिविर के प्रतिभागियों ने अपने समय का उचित सदुपयोग कर विभिन्न कलाओं में पारंगतता हासिल की है, जो काबिले तारीफ है।

खाना बनाना आना जरूरी है- पाक कला पर जोर देते हुए भाऊजी ने कहा कि लड़के एवं लड़कियों दोनों को पाक कला आना जरूरी है, क्योंकि जब हम अपनों के लिए खाना बनाते हैं तो प्रेम की भावना झलकती है। उन्होंने लड़कों द्वारा कुकिंग सीखकर यह साबित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कोई भी कार्य मुश्किल नहीं होता। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने बताया कि पिछले 20 वर्षों से इस शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास, समय का सदुपयोग और उनमें छिपी हुई प्रतिभा को निखारना है।

प्रतिभागियों ने अनुभव साझा किए- नवनिध गर्ल्स स्कूल की अभिभावक कविता समर कैंप से अपनी पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की। कुकिंग कक्षा के प्रतिभागी आर्यन लालवानी ने बताया कि पहले वे सोचते थे कि खाना बनाना केवल लड़कियों को सीखना चाहिए, लेकिन अब उन्हें लगता है कि यह

सम्मान और सांस्कृतिक प्रदर्शन

शिविर के अंत में, प्रशिक्षण देने वाले सभी शिक्षकों को भाऊजी द्वारा नकद राशि से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी पुरस्कृत किया गया। विद्यार्थियों ने मंच पर अपने सीखे हुए हुनर का प्रदर्शन किया, जिसमें म्यूज़िक प्रतिभागियों द्वारा गणेश वंदना और सिंधी गीत, अंग्रेजी स्पोकन प्रतिभागियों द्वारा ''सेव गर्ल थीम'' पर स्किट, और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में माँ गीत, आधुनिक बुराइयों पर अच्छाई की जीत तथा सिंधी झूलेलाल नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां शामिल थीं।

यह मौजूद रहे- इस अवसर पर प्राचार्या सुतापा जयसवाल, दीपा आहूजा, के.एस.मूर्ति, रूपाली मेशराम, प्रीती आहूजा, मानसी गोकलानी, सिमरन मोहनानी आदि उपस्थित थे। संचालन भावना कलवानी ने किया।

- रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकार वार्ता में दी जानकारी, मप्र को तीन नई ट्रेनों की सौगात देने की घोषणा भी की-

रतलाम-नागदा रेल प्रोजेक्ट से बचेगा 38 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड

दोहपर मेट्रो, भोपाल

रतलाम—नागदा के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने से प्रतिवर्ष 7.5 करोड़ लीटर डीजल की बचत होगी। पर्यावरण को भी लाभ पहुंचेगा, क्योंकि इससे 38 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोका जा सकेगा। कार्बन उत्सर्जन के लिहाज से देखा जाए तो यह 1.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर की परियोजना है। यह परियोजना लोगों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा फायदा साबित होगी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। उक्त् प्रेसवार्ता में पन्ना से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी जुड़े थे।

तीन नई रेल ट्रेनों की सौगात- रेल मंत्री वैष्णव ने मप्र तीन नई ट्रेनों की सौगात मिलेगी। इनमें पहली ट्रेन रीवा-सतना-जबलपुर-पुणे, दूसरी ट्रेन जबलपुर से रायपुर वाया नैनपुर-गोंदिया और तीसरी ट्रेन ग्वालियर-भोपाल-पुणे-बंगलुरु शामिल हैं। दो महीने पहले नई दिल्ली से डॉ. अंबेडकर नगर (महू) के लिए नई ट्रेन सेवा शुरू हो चुकी है।

सीएम ने रेल मंत्रालय ने प्रदेश में प्रारंभ नई रेल परियोजनाओं से बड़ी संख्या में रेल उपयोगकर्ता लाभान्वित होंगे। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो तक रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने और सिंहस्थ-2028 की दृष्टि से छोटे-छोटे अंडरपास तैयार करना आवश्यक हैं। रेल मंत्री ने मुख्यमंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि सिंहस्थ के भव्य आयोजन के लिए प्रयागराज की तर्ज पर उज्जैन तक रेल सुविधाओं का विकास कार्य होगा।

भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 176 किलोमीटर तक होगा विस्तार

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडलीय आर्थिक मामलों की समिति ने बुधवार को मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के लिए 2 मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं की मंजूरी दी। परियोजना की अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपए है। इन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं के तहत रतलाम से नागदा के मध्य तीसरी और चौथी लाइन बिछाने का कार्य होगा। वहीं महाराष्ट्र में वर्धा से बल्हारशाह तक चौथी रेल लाइन बिछाई जाएगी। इन दोनों मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं के पूर्ण होने पर भारतीय रेल नेटवर्क में लगभग 176 किलोमीटर तक विस्तार होगा। लगभग 784 गांवों में निवासरत 19.74 लाख नागरिकों तक रेलवे संपर्क सुविधा पहुंचेगी। इससे यात्रियों को सुगम एवं निर्बाध यात्रा का लाभ मिलेगा। साथ ही वस्तुओं के परिवहन कार्य को भी गति मिलेगी।

सपाक्स व अजाक्स के प्रतिनिधियों से अलग-अलग की चर्चा

सीएस बोले- लड़ते रहोंगे तो पदोन्नति का रास्ता निकलना होगा मुश्किल

दोहपर मेट्रो, भोपाल

पदोन्नति में आरक्षण दिए जाने के नए नियम तैयार करने को लेकर मोहन सरकार ने तैयारियां तेज कर दी है। इस काम को खुद सीएस अनुराग जैन देख रहे हैं। उन्होंने गुरुवार सपाक्स व अजाक्स के कर्मचारी प्रतिनिधियों को बुलाकर उनकी राय जानी। सीएस ने दोनों कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों को अलग—अलग सुना।

अजाक्स की ओर से एसएल सूर्यवंशी व सपाक्स की ओर से डॉ. केएस तोमर, राजीव खरे व अन्य ने हिस्सा लिया था। सूत्रों के मुताबिक ज्यादातर बिंदुओं पर अजाक्स की ओर से सहमति दी गई, जबकि कई बिंदुओं पर सपाक्स ने सहमति नहीं दी। सूत्रों के मुताबिक दोनों कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों को सुनने के बाद सीएस कहा कि लंबे समय से मामला अटका हुआ है। सरकार पदोन्नति देना चाहती है, मुख्यमंत्री यह बात स्वयं कह चुके हैं। ऐसे में छोटे-छोटे विषयों पर असहमति नहीं जतानी चाहिए, बल्कि दोनों तरफ से कुछ विषयों को छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। तभी बात बनेगी, यदि ऐसा नहीं कर पाए तो हम सबको मुश्किल होंगी। सूत्रों के मुताबिक अप्रत्यक्ष तौर पर सीएस ने प्रतिनिधियों को कहा कि आपस में लड़ते रहते तो कभी आगे नहीं बढ़ पाएंगे। बताया जा रहा है कि उक्त ड्राफ्ट को लेकर कर्मचारियों को दोबारा सुना जा सकता है, इसकी जिम्मेदारी जीएडी के एसीएस संजय दुबे को दी है।

क्या है पदोन्नति का मामला

2016 से पदोन्नति नहीं हो पा रही है। लाखों कर्मचारी बगैर पदोन्नत हुए सेवानिवृत्त हो गए। अभी भी यही क्रम जारी है। जिसे देखते हुए सीएम ने अप्रैल में पदोन्नति दिए जाने की घोषणा की थी। अचानकी की उनकी इस घोषणा से कर्मचारी जगत में खुशी का माहौल है। हाल में मंत्रालय परिसर में हुए सम्मान समारोह में भी सीएम ने यह बात दोहराई है लेकिन पदोन्नति दिए जाने संबंधी नए ड्राफ्ट पर कुछ कर्मचारी संगठनों में सहमति नहीं बन पा रही है। अजाक्स संगठन के पदाधिकारी वर्ष 2002 के पदोन्नति नियमों के तहत पदोन्नति चाहते हैं तो सपाक्स के पदाधिकारी बदलाव चाहते हैं।

प्रस्ताव का ड्राफ्ट का सीएम के सामने दिया प्रजेंटेशन

सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे समेत अन्य अधिकारियों द्वारा तैयार किए प्रस्ताव के ड्राफ्ट का सीएम के सामने कर्मचारियों के बीच प्रजेंटेशन दिया गया। सूत्रों के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में मामला है, इसलिए भी हर स्तर पर राय ली जा रही है। सूत्रों के मुताबिक सपाक्स किसी भी वर्ग के क्रीमीलेयर के दायरे में आने वाले कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण न मिले। जिन कर्मचारियों को पदोन्नति दी जा चुकी है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने रिवर्ट करने की बात कही थी, उनके मामले में स्टेटस-को रखा जाए। ऐसे कर्मियों को पदोन्नत न किया जाए, जो आरक्षण का लाभ लेकर नौकरी में आए, उन्हें अनारक्षित श्रेणी के पदो पर पदोन्नत न किया जाए। जबकि वर्ष 2002 के पदोन्नति नियम व सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश किए गोरकेला प्रस्ताव से अलग जाकर पदोन्नति नहीं चाहते। पूर्व में जिन कर्मचारियों को पूर्व में पदोन्नति मिल चुकी है, उन्हें रिवर्ट न किया जाए। सबसे पहले अनारक्षित पदों के लिए डीपीसी हो, उसके बाद एसटी और फिर एससी के पदों के लिए प्रक्रिया शुरू की जाए।

मप्र में हजारों मकान व संरचनाएं जो हो चुकी हैं जर्जर

जर्जर मकानों की सुध नहीं, बारिश में बनेंगे जान के दुश्मन

दोहपर मेट्रो, भोपाल

प्रदेश में हजारों मकान व निर्माण संरचनाएं जर्जर हो चुकी है। बारिश पूर्व इनकी सुध नहीं ली जा रही है। तेज बारिश व तूफान में इनका गिरना तय है, जिसमें जानमाल को खतरा हो सकता है।

जिस गलती में 50 से ज्यादा लोगों की जान गई, उसे ही सुधारना भूले- प्रदेश में बीते वर्ष बारिश की शुरुआत के बाद 50 से ज्यादा बड़ी घटनाएं हुईं, जिसमें मकान, उनकी दीवारें, पुरानी निर्माण संरचनाएं गिरी। इसके कारण सागर में एक साथ 9 बच्चों की मौत हो गई थी। इसी तरह दतिया में एक दीवार के गिरने से 3 लोग एक साथ मौत के मुंह में समा गए थे। ये दो ही घटनाएं नहीं हुई, बल्कि प्रदेश में 50 से अधिक घटनाओं में दर्जनों लोग अपनी जान गंवा बैठें थे।

सीएम ने कहा था, खतरनाक निर्माण तोड़े- बीते हुई घटनाओं को देखते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि था कि जिन पुराने निर्माणों की जरुरत नहीं है और जो बारिश की वजह से गिर रहे हैं, खासकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पुराने व जर्जर मकानों को तोड़ दें। सीएम ने यह बात वीडियो कान्फ्रेंसिंग में संभागायुक्त, कलेक्टरों को कही थी। जिसे एक वर्ष पूरे होने वाले हैं। अब तक इन मकानों की सुध किसी ने नहीं ली। लोगों का कहना है कि यदि कहीं कोई कार्रवाई हुई भी है तो वहां केवल खानापूर्ति हुई है।

भोपाल-इंदौर में ही हजारों मकान

अकेले भोपाल व इंदौर में ही हजारों मकान है, जो पुराने हो चुके हैं, इन्हें तोड़ा नहीं जा रहा है। हर साल भोपाल में निगम से करीब 5 हजार से अधिक नोटिस जारी होते है, लेकिन इतने मकान तोड़े नहीं जाते। इस अनदेखी की वजह कई बार निगम के अफसर ही होते है। जब एक निगम में अधिकारी स्वयं मानते हैं कि 5 हजार मकान जर्जर है और उन्हें गिराया जाना चाहिए तो दूसरे शहरों की स्थिति का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। उधर ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई मकान जर्जर है, जिन्हें तोड़ने की जहमत नहीं उठाई जा रही है।

मंदसौर मामले में टोल कर्मचारियों के पक्ष में सपा

भोपाल। करीब पंद्रह दिन पहले मंदसौर में नेशनल हाईवे पर एक महिला के साथ आपत्तिजनक हरकतें करते हुए कैमरों में कैद हुए जिला पंचायत सदस्य और भाजपा नेता मनोहरलाल धाकड़ के मामले में बर्खास्त हुए कर्मचारियों के समर्थन में समाजवादी पार्टी खुलकर सामने आ गई है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव ने कहा कि- हाईवे पर निगरानी के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग करने वाले कर्मचारियों पर कार्रवाई करना गलत है। सरकार को ईमानदारी से काम करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित करना चाहिए। यादव ने कहा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो व्यक्ति अपनी सही ड्यूटी कर रहा है उस पर कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि हाईवे पर सीसीटीवी लगाए क्यों जाते हैं? जनता से टोल वसूला जाता है वो पैसे इसीलिए लिए जाते हैं कि अगर कोई घटना हो जाए तो वह सीसीटीवी में कैद हो जाए।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की शुरूआत तीन जून को, आएंगे राहुल

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मप्र कांग्रेस के संगठन को पुनर्जीवित करने के लिये तीन जून से शुरू हो रहे संगठन सृजन अभियान का विस में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण होगा। सिंघार ने कहा राहुल गांधी के मार्गदर्शन में शुरू होने वाला यह संगठन सृजन अभियान कांग्रेस को जमीनी स्तर पर और सशक्त करेगा। यह पहल युवाओं, किसानों, श्रमिकों और समाज के वंचित वर्गों को कांग्रेस के साथ पुनः जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बनेगी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों, प्रदेश कार्यकारिणी, राजनीतिक मामलों की समिति और सभी जिला अध्यक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। इसका उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और स्पष्ट रणनीति तैयार करना है। यह आयोजन एक बैठक नहीं, बल्कि एक विचार यात्रा का प्रारंभ है। अभियान के माध्यम से बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की आवाज को बुलंद किया जाएगा और उनकी मेहनत को संगठन के शीर्ष स्तर तक पहुँचाया जाएगा। राहुल गांधी 3 जून को भोपाल में इस अभियान की शुरूआत करने आ रहे हैं।

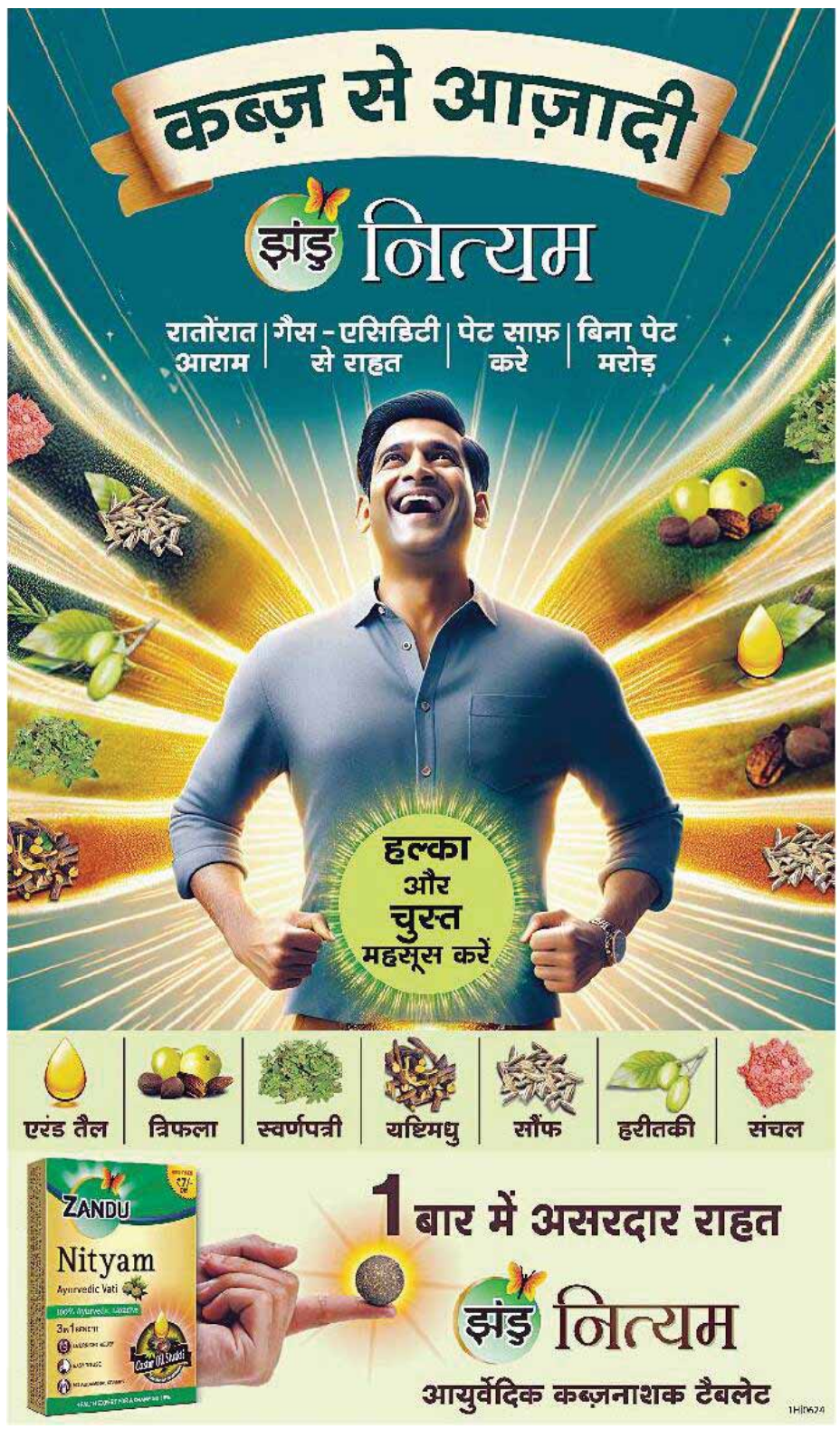

मेट्रो एंकर

आग के बाद मंत्रालय में चोरी

मंत्री गोविंद सिंह के केबिन से चांदी की दो मूर्ति 'गायब'

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मंत्रालय की सुरक्षा पर बार-बार सवाल उठ रहे हैं। इस बार फिर सुरक्षा व्यवस्था कटघरे में है। हुआ ही कुछ ऐसा है। मंत्रालय से चांदी की दो मूर्तियां चोरी हो गई है। चोरी गई मूर्तियां कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के केबिन में रखी थी। इसके पहले मंत्रालय में आग लगी थी, जिसमें हजारों फाइलें जलकर खाक हो गई थी।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत का मंत्रालय परिसर में बनी एनेक्सी-2 में दूसरे फ्लोर पर कार्यालय है, इसमें पूजा स्थल पर चांदी से बनी भगवान गणेश व लक्ष्मी की मूर्ति रखी थी। डेढ़ माह पूर्व जब मंत्री पूजा कर रहे थे, तब उन्हें पूजा स्थल पर मूर्ति नहीं दिखी, जिस पर उन्होंने पूछताछ शुरू की। मंत्री स्टाफ में शामिल कर्मियों से पूछताछ की, जब पता नहीं चला कि मंत्रालय सुरक्षा अधिकारी अविनाश शर्मा को सूचना दी। घटना कब हुई, इसकी वास्तविक जानकारी नहीं मिली। तब भी मंत्री के केबिन के आसपास देखे गए सफाई कर्मियों, मंत्री के स्टाफ व अन्य लोगों से पूछताछ की, सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले लेकिन अब तक चोरी का सुराग नहीं लगा।

मंत्रालय में ज्यादातर मंत्रियों के खुले रहते हैं कार्यालय

सूत्रों के मुताबिक मंत्रालय के अंदर ज्यादातर मंत्रियों के कार्यालय खुले रहते हैं, इन्हें बंद करने की कोई व्यवस्था नहीं है। जबकि ज्यादातर मंत्री सप्ताह में एक या दो दिन ही मंत्रालय स्थित कार्यालय पहुंचते हैं, कुछ तो केवल कैबिनेट बैठक वाले दिन ही पहुंच पाते हैं। पूर्व में मंत्रालय की ओर से गाइडलाइन जारी की गई थी कि जब कार्यालयों में कामकाज बंद हो तो उन्हें लॉक कर दिया जाए, लेकिन ज्यादातर मंत्रियों का स्टाफ इसका पालन नहीं कर रहा है। लेकिन अंदर सीसीटीवी कैमरे नहीं है। यही वजह है कि मंत्री के केबिन में प्रवेश करने व बाहर निकलने वाले सभी लोगों को जांच के दायरे में नहीं लिया जा सका। उल्लेखनीय है कि मंत्रालय परिसर में स्थित पुराने भवन के पांचवे माले पर मार्च 2024 में भीषण आग लगी थी, जिसमें हजारों फाइलें जलकर खाक हो गई थी।

संपादकीय

बिखरते सपने, चमकते दावे

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार जहां एक ओर पूरी दुनिया को अचंभित करती है, हाल के समय में एक और खबर इसे और उजला कर रही है कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बडी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा अगले दो तीन वर्ष में जर्मनी को पछाड़कर टाप थ्री अर्थव्यवस्ता में शामिल हो जाएगा। मगर इन सुनहरी सफलता और उम्मीदों के बीच कहीं एक कड़वा सच भी है और यह कि आज भी करोड़ों परिवार बहुत मुश्किल से अपना घर चला पा रहे हैं। इनमें से अनेक लोगों को विश्वास है या मजबूरी कि वे कर्ज लेकर व्यापार करेंगे, तो अधिक पैसे कमाएंगे और बेहतर भविष्य बना सकेंगे। दूसरी ओर, कुछ को लगता है कि भविष्य के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय उन्हें वर्तमान में जी लेना चाहिए। मगर स्वास्थ्य और शिक्षा पर खर्च बढ़ने से उनकी चुनौतियां भी लगातार बढ़ रही हैं। महंगाई और घटती आय की वजह से उनमें निराशा है। उनकी उम्मीदें टूटी हैं। चिंता का विषय है कि बैंकों का बकाया न चुकाने के कारण कई परिवार कर्ज में इस तरह डूब जाते हैं, जहां से निकलना उनके लिए संभव नहीं होता। कुछ लोग बाजार में अन्य जरियों से कर्ज लेकर तनाव व परेशानियों के दलदल में धंसते चले जाते हैं। इनमें कुछ लोग आत्महत्या जैसे घातक कदम उठा लेते हैं। मगर हरियाणा के पंचकूला में एक ही परिवार के सात लोगों की खुदकुशी ऐसा मामला बहुत झकझोरता है। सच्चाई यही सामने आई है कि इस परिवार पर बैंक का बहुत सारा पैसा बकाया था, जिसे चुकाना उसके लिए मुश्किल हो गया था। कर्ज में डूबा परिवार रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी नहीं कर पा रहा था। अगर देश के नागरिक घर और वाहन खरीदने के लिए कर्ज ले रहे हैं, तो निश्चित रूप से इसके पीछे बेहतर रोजगार और अच्छी आय की संभावनाएं छिपी हैं। मगर कारोबार के लिए लिया गया कर्ज कोई नहीं चुका पा रहा है, तो इस पर सोचने की जरूरत है कि विकास की तेज रफ्तार के बीच उनका कारोबार क्यों पिछड़ रहा है। अगर व्यापारी कर्ज लेकर भी लागत नहीं निकाल पा रहे हैं, तो इसके पीछे के कारणों को समझने और उनका हल निकालने की जरूरत है। इसके लिए नीति निर्माताओं को ही आगे आना होगा। यह सच भी छिपा नहीं है कि कर्ज में डूबे हजारों किसान खुदकुशी कर चुके हैं। फसलों की लागत न निकल पाने से उनमें भारी निराशा है। छोटे कारोबारियों की स्थिति भी कोई अच्छी नहीं है। बाजार के आकार तो बढ रहे हैं, शेयर बाजार के संकेतक जबर्दस्त आशावाद पेश कर रहे हैं, लेकिन असल जरूरत तो यही है कि उन लोगों पर नजरें दौड़ाई जाएं तो एक अदद बेहतर जिंदगी जीने की हसरत में भारी जद्दोजहद कर रहे हैं। गांवों और छोटे शहरों व कस्बों में लोग कम साधनों और कम आय से गुजर कर रहे हैं, रोजगार के बडे साधन नहीं हैं, लेकिन यही बात बडे शहरों में भी लागू हो रही है जहां हजारों युवा महज आठ से बारह हजार रुपये की नौकरी के लिये दिन के बारह बारह घंटे घप रहे हैं।ऐसे में उनका भविष्य क्या होगा और वे कैसे इसे बेहतर बना सकेंगे? यह गंभीर विचार का विषय बनना चाहिए। देश में ऐसे करोड़ों लोगों की उम्मीदें और सपने बचाने के लिए अब ठोस और सार्थक कदम उठाए जाएं तो अर्थव्यवस्था के उजले दावों में और कई नए रंग भर जाएंगे।

जनता-संविधान के प्रति ही जवाबदेह रहे पुलिस

पुलिस को सलामी में नहीं, देश और समाज की सुरक्षा और सेवा में व्यस्त रहने दीजिए। यदि वाकई जनप्रतिनिधियों का कद बढ़ाना है तो सेवा, ईमानदारी और जवाबदेही से बढ़ाइए, वर्दी के सम्मान को झुकने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए...

■ हेमंत पाल

वर्दी वाले जब किसी को सैल्यूट करते हैं, तो उसका आशय होता है सम्मान, आदर और शिष्टाचार। खासकर सैन्य और पुलिस जैसी संगठित संरचनाओं में सैल्यूट किसी के प्रति सम्मान व्यक्त करने या औपचारिकता का एक शिष्ट तरीका माना जाता है। वास्तव में यह औपचारिक अभिनंदन है, जो शिष्टाचार का पालन करने का संकेत देता है। सैल्यूट अनुशासन और आदेशों के पालन का भी प्रतीक है। यह प्रसंग इसलिए सामने आया कि मध्यप्रदेश के पुलिस महानिदेशक ने अपने मातहत पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रदेश के सभी विधायकों और सांसदों का सैल्यूट से अभिवादन किया जाए। जबकि, अभी तक ऐसा विशिष्ट सम्मान मुख्यमंत्री और मंत्रियों को ही दिया जाता था। लेकिन, अब सांसद और विधायक भी इस सम्मान के काबिल माने जाएंगे।पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के मुताबिक, किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ शिष्ट व्यवहार में कोई कमी नहीं होनी चाहिए। अगर कोई सांसद या विधायक उनसे मिलने आए, तो पुलिस अफसर प्राथमिकता के आधार पर मुलाकात कर उसका निराकरण करें। साथ ही जब किसी समस्या को लेकर सांसद या विधायक फोन करें, तो उनकी बात प्राथमिकता से सुनी जाए और उचित समाधान भी करना होगा। सांसदों और विधायकों के सम्मान को लेकर जारी निर्देश में आठ अलग-अलग परिपत्रों का भी जिक्र किया गया।

जारी किए गए निर्देशों में लिखा गया कि सरकार द्वारा आयोजित कार्यक्रमों या किसी भी सामान्य समारोह में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी वर्दी में सांसदों और विधायकों को सलामी देंगे। साथ ही अधिकारी सांसदों और विधायकों के पत्रों का समय पर जवाब भी दें। जवाब वाले पत्रों पर अधिकारियों के हस्ताक्षर होने चाहिए। जब भी कोई सांसद या विधायक किसी कार्यालय में आए, तो अधिकारी को सर्वोच्च प्राथमिकता के तौर पर सांसदों और विधायकों से मिलना चाहिए। पुलिस महानिदेशक का यह आदेश ऐसी कई अप्रासंगिक बातें दर्शाता है, जो लोकतंत्र की मान्यताओं से मेल नहीं खाती। क्योंकि, इस निर्देश के सामने सरकार और जनप्रतिनिधि के बीच का फर्क ?त्म हो जाता है। वास्तव में जन प्रतिनिधि को जनता ने अपने प्रतिनिधि के तौर पर चुना है, वो सरकार नहीं है। जबकि, पुलिस प्रशासन का हिस्सा है, जिसे जबरन झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है।कहा गया कि यह आदेश मुख्यमंत्री से मिले निर्देश के बाद जारी किया गया। दरअसल, पुलिस अधिकारियों और विधायकों के बीच कुछ समय से तनातनी की खबरें सामने आ रही थीं। कटनी विधायक संदीप जायसवाल और एसपी अभिजीत राजन के बीच कहासुनी हुई। पिछोर से विधायक प्रीतम लोधी और मऊगंज से विधायक प्रदीप पटेल ने लगातार पुलिस के अधिकारियों की घेराबंदी की। विधायक प्रीतम लोधी ने पिछोर के एसपी पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने का घेराव किया और एसपी से उनकी तीखी बहस भी हुई। मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल अपनी सुनवाई नहीं होने के चलते खुद ही थाने में गिरफ्तारी देने पहुंच गए थे। उन्होंने कहा कि अगला नंबर मेरा ही था, तो मैं गिरफ्तारी देने आ गया। नर्मदापुरम के विधायक सीताशरण शर्मा ने भी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इसी तरह पिछोर विधायक प्रीतम लोधी का

शिवपुरी एसपी अमन सिंह राठौर से विवाद चल रहा है। पुलिसकर्मियों को लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से खासी परेशानी का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही शिष्टाचार संबंधी मुद्दा जोर पकड़ने लगा था। पुलिस मुख्यालय तक ये मामले पहुंचे, जिसके बाद पुलिस महानिदेशक ने निर्देश जारी किया। देखा जाए तो यह राजनीतिक दबाव का वैधानीकरण है। अब कई माफिया सरगना नेताओं के जरिये पुलिस पर ज्यादा दबाव बनाकर अपना मतलब साध सकते हैं। इससे जनता का भरोसा डगमगाएगा और पुलिस की निष्पक्षता पर भी लोगों को शक होगा। ये माना जाए या नहीं, पर सुरक्षा पंक्ति का आंतरिक अनुशासन भी खंडित और पुलिस विभाग में ऊंचे पदों पर बैठे अफसरों को भी झुकना सिखाया जाएगा। निश्चित रूप से इस फैसले से अफसरशाही का मनोबल टूटेगा। दरअसल, वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमा पद से नहीं, सच्चे कर्तव्य से बनती है, जो इस आदेश से निश्चित रूप से धूमिल होगी। यदि यह आदेश नेताओं के दबाव में लिया गया, तो स्पष्ट है कि नेताओं की मंशा पुलिस को आजाद नहीं, बल्कि सत्ता का सेवक बनाना है। खास बात तो यह कि पूछा तक नहीं गया कि क्या सांसद और विधायक चाहते हैं कि उन्हें विशेषाधिकार के तहत पुलिस अधिकारी सलामी दें ! तो क्या यह माना जाए कि ये आदेश नेताओं के अहं की तुष्टि के लिए जारी किया गया है। इस निर्णय को अलोकतांत्रिक, अहंकारपूर्ण और अपमानजनक कहने वालों की भी कमी नहीं है। लोगों का कहना है कि पुलिस को सलामी में नहीं, देश और समाज की सुरक्षा और सेवा में व्यस्त रहने दीजिए। यदि वाकई जनप्रतिनिधियों का कद बढ़ाना है तो सेवा, ईमानदारी और जवाबदेही से बढ़ाइए, वर्दी के सम्मान को झुकने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। पुलिस जब सलामी देती है, तो यह संदेश जाता है, कि वे पद के दबाव में हैं। जबकि, लोकतंत्र में पुलिस जनता और संविधान के प्रति जवाबदेह होती है, किसी विधायक या सांसद के प्रति तो शायद नहीं। लेकिन, जब निर्देश दिए गए हैं, तो पुलिस को उसका पालन तो करना ही होगा।

कहानी में अल्प विराम तक ही अच्छा लगता है उसमें पूर्ण विराम लग जाये तो फिर सफ़र में मज़ा कहां आएगा. सफ़र में होना अपने आप में बड़ी बात है...

आज का इतिहास

- 1431 सौ साल के युद्ध-जोन ऑफ आर्क को एक राजनीतिक रूप से परीक्षण में विधर्म के दोषी ठहराए जाने के बाद फ्रांस के इनरॉइन में दांव पर जला दिया गया था।
- 1536 जेन-सेमोर, एक पूर्व महिला-इन-वेटिंग, राजा हेनरी अष्टम से शादी करके इंग्लैंड की रानी बन गई।
- 1539 स्पेन के खोजी हर्नान्डो डी सोटो ने फ्लोरिडा की खोज
- 1574 हेनरी ढूढ्ढढ्ढ फ्रांस के राजा बने। हेनरी ढूढ्ढढ्ढ, हाउस ऑफ़ वलाइस के एक सम्राट थे, जिन्हें 1573 से 1575 तक पोलिश-लिथुआनियाई राष्ट्रमंडल का सम्राट चुना गया और 1574 से फ्रांस के राजा के रूप में शासन किया। वह वालोइस राजवंश का अंतिम फ्रांसीसी सम्राट था।
- 1593 अंग्रेजी नाटक के लेखक क्रिस्टोफर मार्लो को रहस्यमय परिस्थितियों में इनग्राम फ्रेजर द्वारा मौत के घाट उतार दिया गया था।
- 1646 स्पेन और नीदरलैंड ने युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर
- 1783 फिलाडेल्फिया के बेंजामिन टॉवर से अमेरिका में पहला दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित किया गया।
- 1797 विलियम विलबरफोर्ड ने बारबरा एन स्पूनर से शादी की।
- 1814 छठे गठबंधन का युद्ध पेरिस के तत्वाधान पर हस्ताक्षर करने के साथ समाप्त हुआ, जिसने नेपोलियन को पदच्युत कर दिया और लुई सोलहवें को फेंच सिंहासन पर बहाल किया
- 1815 ईस्ट इंडीमैन जहाज अर्नस्टोन 372 जिंदगियों के साथ वर्तमान दक्षिण अफ्रीका के केप अगुलहास के पास वेन्हिस्कृंस में एक तूफान के दौरान बर्बाद हो गया था।

निशाना

पूंछ रहे सवाल !!

-कृष्णेन्द्र राय

साध कर निशाना ।
पूंछ रहे सवाल ।।
सच सच बतलाएं ।
करता कौन बवाल ।।
ले लिए हैं हम ।
नया अब अवतार ।।
ना कहो चालाक ।
है यह तो व्यवहार ।।
कथनी और करनी में ।
भले रहा मैं भिन्न ।।
हमको है सताया ।
अंदर से मैं खिन्न ।।
मांग रहा मैं वोट ।
जोड़ लिया है हाथ ।।
ना आगे भटकाना ।
वरना मैं अनाथ ।।

भारतीय सशस्त्र बलों में एकीकरण का नया युग

■ जयसिंह रावत

भारत सरकार ने देश की सामरिक आवश्यकताओं को देखते हुए 27 मई 2025 को अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम-2023 के नियमों को अधिसूचित कर दिया। इसे हम भारतीय सशस्त्र बलों, थल सेना, नौसेना और वायुसेना, के बीच एकीकरण और समन्वय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम कह सकते हैं।यह अधिनियम भारत की रक्षा प्रणाली में एक क्रांतिकारी बदलाव का प्रतीक है, जो आधुनिक युद्ध की जटिल चुनौतियों का सामना करने के लिए सशस्त्रबलों को अधिक एकजुट, कुशल और प्रभावी बनाने का लक्ष्य रखता है। माना जा सकता है कि यह अधिनियम न केवल तीनों सेनाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने और भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

अंतर-सेवा संगठन अधिनियम, 2023 का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय सशस्त्रबलों की तीनों शाखाओं थल सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच समन्वय, एकीकरण और संयुक्त परिचालन क्षमता को बढ़ाना है। यह अधिनियम संयुक्त सैन्य अभियानों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए एकल कमांड संरचना की स्थापना को प्रोत्साहित करता है। इस अधिनियम के बहुआयामी लक्ष्य है जैसे, अधिनियम थिएटर कमांड प्रणाली की नींव रखता है, जिसमें तीनों सेनाओं के संसाधन और कर्मी एक कमांडर के नेतृत्व में कार्य करेंगे। यह संरचना युद्ध के दौरान त्वरित और समन्वित निर्णय लेने में सहायक होगी। अंतर-सेवा संगठनों के कमांडरों को सभी सेनाओं के कर्मियों पर अनुशासनात्मक और प्रशासनिक कार्रवाई करने का अधिकार प्रदान करता है, जिससे कमांड की एकता सुनिश्चित होती है। इसका लक्ष्य संरचना के माध्यम से संसाधनों की बर्बादी को कम करना और परिचालन दक्षता को बढ़ाना और आधुनिक युद्ध की चुनौतियों, जैसे साइबर युद्ध, अंतरिक्ष-आधारित युद्ध और हाइब्रिड युद्ध, का सामना करने के लिए सशस्त्र बलों को सक्षम बनाना है।

अंतर-सेवा संगठन अधिनियम, 2023 में कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं, जो भारतीय सशस्त्र बलों की कार्यप्रणाली को पुनर्परिभाषित करते हैं। ये प्रावधान हैं–कमांडर-इन-चीफ को अधिकारः अधिनियम के तहत अंतर-सेवा संगठनों के कमांडर-इन-चीफ को थल सेना, नौसेना और वायुसेना के कर्मियों पर

अनुशासनात्मक और प्रशासनिक कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है। यह अधिकार मौजूदा सेवा अधिनियमोंकृसेना अधिनियम 1950, नौसेना अधिनियम 1957 और वायु सेना अधिनियम 1950कृके तहत संचालित होगा। अंतर-सेवा संगठनों का गठनः केंद्र सरकार को अंतर-सेवा संगठन स्थापित करने और उनके कार्यों को परिभाषित करने का अधिकार है। ये संगठन राष्ट्रीय हित में निर्देश प्राप्त कर सकते हैं और संचालन के लिए जिम्मेदार होंगे।

थिएटर कमांड की नींवः अधिनियम प्रस्तावित थिएटर कमांड प्रणाली को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। थिएटर कमांड एक भौगोलिक क्षेत्र में सभी सैन्य संसाधनों को एकीकृत कर एकल कमांडर के अधीन कार्य करेगी।सहायक संगठनों का सशक्तिकरणः अधिनियम में अंडमान और निकोबार कमान, सामरिक बल कमान और रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी जैसे संगठनों को मान्यता दी गई है। ये संगठन रणनीतिक और परमाणु संपत्तियों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इस अधिनियम के तहत कई महत्वपूर्ण अंतर-सेवा संगठनों को मान्यता दी गई है, जो रणनीतिक और परिचालन दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। इनमें विभन्न सैन्य संगठन शामिल हैं जैसे अंडमान और निकोबार कमान, भारत की पहली एकीकृत थिएटर कमान है, जो हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक निगरानी और समुद्री सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। यह कमान भारत की समुद्री रणनीति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी तरह सामरिक बल कमान, भारत की परमाणु संपत्तियों के प्रबंधन और परिचालन के लिए जिम्मेदार है। यह संगठन राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, विशेष रूप से परमाणु निवारण नीति के संदर्भ में। रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी, अंतरिक्ष-आधारित रक्षा प्रौद्योगिकियों और परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। यह आधुनिक युद्ध की अंतरिक्ष-केंद्रित चुनौतियों का सामना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी तरह साइबर रक्षा एजेंसी यह संगठन साइबर युद्ध और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कार्य करता है, जो आधुनिक युद्ध में तेजी से महत्वपूर्ण हो रहा है। अंतर-सेवा संगठन अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन से भारतीय सशस्त्र बलों और राष्ट्रीय सुरक्षा को कई महत्वपूर्ण लाभ प्राप्त होंगे जैसे अब एकीकृत कमांड संरचना के माध्यम से निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी, जो युद्धकाल और संकटकाल में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है।

नई व्यवस्था से तीनों सेनाओं के संसाधनों का एकीकृत उपयोग बर्बादी को कम करेगा और परिचालन दक्षता को बढ़ाएगा। उदाहरण के लिए, साझा लॉजिस्टिक्स और प्रशिक्षण सुविधाएं लागत को कम करेंगी। अधिनियम तीनों सेनाओं के बीच सहयोग और संयुक्त प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करता है, जिससे संयुक्त अभियानों की प्रभावशीलता बढ़ेगी। साइबर युद्ध, अंतरिक्ष युद्ध और हाइब्रिड युद्ध जैसी नई चुनौतियों का सामना करने के लिए सशस्त्र बलों को सक्षम बनाएगा। नया कानून वैश्विक सैन्य शक्ति के रूप में भारत की स्थितिरू यह अधिनियम भारत को एक सशक्त और एकीकृत सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा, जो वैश्विक मंच पर भारत की रणनीतिक स्थिति को मजबूत करेगा।

हालांकि यह अधिनियम रक्षा सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियाँ भी हैं। सबसे पहले, तीनों सेनाओं की अलग-अलग संस्कृति, परंपराएँ और कार्यप्रणालियाँ एकीकरण में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, थल सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच संचार और समन्वय को सुचारू करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण और मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता होगी। दूसरे, थिएटर कमांड प्रणाली को लागू करने के लिए बुनियादी ढांचे और तकनीकी संसाधनों में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सेनाओं के बीच संसाधन आवंटन और कमांड की प्राथमिकताओं को संतुलित करना भी एक जटिल कार्य होगा। तीसरे, साइबर और अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए कुशल मानव संसाधनों की आवश्यकता होगी। भारत को इन क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति और प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा। भविष्य में, इस अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सरकार को न केवल नीतिगत सुधारों पर ध्यान देना होगा, बल्कि सेना के अधिकारियों और कर्मियों के बीच जागरूकता और प्रशिक्षण पर भी जोर देना होगा। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और तकनीकी साझेदारी को बढ़ावा देकर भारत अपनी रक्षा क्षमताओं को और मजबूत कर सकता है।

कुल मिलाकर देखा जाय तो अंतर-सेवा संगठन (कमांड, नियंत्रण और अनुशासन) अधिनियम, 2023 भारतीय सशस्त्र बलों में एकीकरण और आधुनिकीकरण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह अधिनियम न केवल तीनों सेनाओं के बीच समन्वय को मजबूत करता है, बल्कि भारत को आधुनिक युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। थिएटर कमांड प्रणाली, एकीकृत संसाधन प्रबंधन और रणनीतिक संगठनों के सशक्तिकरण के माध्यम से यह अधिनियम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हालांकि, इसके कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियाँ हैं, जिन्हें दूर करने के लिए दीर्घकालिक योजना, निवेश और प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। यदि प्रभावी ढंग से लागू किया गया, तो यह अधिनियम भारत को वैश्विक मंच पर एक सशक्त और एकीकृत सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित करेगा, जो 21वीं सदी की रक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार होगी। **(साभार)**

3 जून को पचमढ़ी के राजभवन में आयोजित होगी कैबिनेट बैठक

कमिश्नर ने कैबिनेट बैठक की तैयारी के लिए अधिकारियों को सौंपे दायित्व

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने संभाग के समस्त सभी संभागीय अधिकारियों के साथ 3 जून को पचमढ़ी में आयोजित होने वाली कैबिनेट बैठक की तैयारी के संबंध में की जा रही तैयारी की समीक्षा कर संभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कमिश्नर ने कहा कि कि आगामी 3 जून को पचमढ़ी में मंत्रिमंडल की कैबिनेट बैठक प्रस्तावित है जिसमें 2 जून से ही मंत्री गणों एवं अन्य अधिकारियों का आवागमन होना शुरू हो जाएगा। उन्होंने पूरे कार्यक्रम के संचालन के लिए सीईओ जिला पंचायत श्री टी प्रतिक राव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इनके सहायक के रूप में एसडीएम पिपरिया श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव को नियुक्त किया गया है। बैठक में कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने कैबिनेट बैठक के लिये की जा रही

तैयारियों के संबंध में कमिश्नर श्री तिवारी को अवगत कराया।

कमिश्नर ने बैठक के लिए आने वाले मंत्रीगणों एवं प्रमुख सचित स्तर के अधिकारियों के लिए लाइजनिंग अधिकारियों की नियुक्ति करनें के निर्देश दिये और कहा कि सभी लाइजनिंग अधिकारी अपनें सौपें गये दायित्व को पूरी निष्ठा से निभायें। कमिश्नर ने बैठक के दौरान संपूर्ण पचमढ़ी क्षेत्र में ट्रैफिक एवं पार्किंग की सुचारू व्यवस्था किए जाने के लिए निर्देश जारी किए। उन्होंने निर्देश दिए कि मंत्रीगण एवं अन्य अधिकारियों के लिए उनके आवास के अनुसार पार्किंग स्थल चिन्हित किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुविभागीय अधिकारी पिपरिया के साथ समन्वय स्थापित कर कैबिनेट बैठक में उपस्थित होने वाले मंत्रीगणों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के आवास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कमिश्नर ने मंत्रीगण एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के भ्रमण की संभावना को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में जिप्सी वाहन की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने एसई विद्युत विभाग को निर्देशित किया कि विद्युत व्यवस्था के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएं। पावर कट आदि की समस्या होने पर पर्याप्त मात्रा में मंत्रीगण एवं अधिकारियों के आवास तथा बैठक स्थल पर जनरेटर की व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने सीईओ साडा को निर्देश दिए कि पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही कैबिनेट बैठक स्थल राजभवन एवं मुख्यमंत्री निवास रविशंकर भवन को साफ और स्वच्छ रखने के निर्देश दिये। कमिश्नर ने जिला आपूर्ति अधिकारी को एमपीटी के साथ समन्वय स्थापित कर भोजन आदि व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी पिपरिया को निर्देश दिए की 3 जून को बैठक स्थल आदि जगहों पर फायर ब्रिगेड, काऊ कैचर आदि संसाधनों की व्यवस्था करने के लिए निर्देशित किया। बैठक के दौरान कमिश्नर ने कैबिनेट बैठक स्थल पर पर्याप्त एवं तेज इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने लायजनिंग ऑफिसर्स के रूप में संभागीय एवं जिला अधिकारियों को नियुक्त करते हुए निर्देशित किया कि संबंधित मंत्रीगणों के आगमन के पूर्व ही आवास आदि व्यवस्था की पूर्व नियोजित रूप से सुनिश्चित कर ले।

बैठक के दौरान पुलिस महानिरीक्षक मिथिलेश कुमार शुक्ला, मुख्य वन संरक्षक श्री अशोक कुमार, फील्ड डायरेक्टर श्रीमती राखी नंदा, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री टी प्रतिक राव, अपर कलेक्टर डीके सिंह, उपायुक्त राजस्व गणेश कुमार जायसवाल, संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मारुति महायज्ञ और श्री राम कथा को लेकर निकाली कलश यात्रा

गंजबासौदा। ग्राम साहबा 28 मई से 3 जून तक होने वाले श्री मारुति महायज्ञ और श्री राम कथा को लेकर कलश यात्रा निकाली गयी। जो कि साहबा से उदयपुर महामाया मंदिर नीलकंठेश्वर शिव मंदिर होते हुए कलश यात्रा साहबा पर समापन हुई। कलश यात्रा का जगह-जगह फूल बरसा कर भक्तों के द्वारा स्वागत किया गया। कलश यात्रा में यज्ञकर्ता महंत श्री रामदास महाराज बूढ़ी बागरोद, मुख्य बेदी के यजमान निर्भय सिंह लोधी सरपंच, महामंडलेश्वर जनक दुलारी महाराज अयोध्या, महामंडलेश्वर बालक दास महाराज नूरपुर धाम, महंत श्री रामदास महाराज मुरादपुर धाम महंत श्री परशुराम महाराज मूडरी धाम, महंत परमानंद दास जी महाराज, काली मंदिर पुजारी विशाल वैष्णव, राम अनुज शास्त्री अयोध्या शामिल रहे।

सुधासागर जी महाराज का तारादेही ग्राम से हुआ विधार, रात्रि विश्राम झमरा में हुआ

तेंदूखेड़ा/तारादेही! गुरूवार को निर्यापक सुधासागर महामनिराज के ससंघ की तारादेही ग्राम में आहारचर्या हुई है। तारादेही के अंकित सिघई के परिवार को सुधासागर जी महामुनिराज को आहार देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके बाद शाम लगभग 5 बजे ससंघ का तारादेही ग्राम से देवरी महाराजपुर की ओर विहार हो गया है। जिनका रात्रि विश्राम झमरा ग्राम होगा साथ ही आज रमखिरियां में अहाचर्या होगी। ज्ञात हो कि निर्यापक महामुनिराज सुधासागर जी महाराज जी के साथ मे गंभीर सागर जी, वरिष्ठ सागर जी एवं विदेही सागर जी ससंघ बैलखेड़ा जिला जबलपुर से मंगलवार को विहार हुआ था जो वरकछार का पहाड चढकर जंगली रास्ते से इमलियां, कूडा होकर ग्राम चंदना पहुंचे थे जिनका रात्रि विश्राम चंदना में हुआ था साथ ही बुधवार को चंदना में अहार लेकर विहार हो गया था। शाम को तारादेही ग्राम पहुंच गए थे। तारादेही ग्राम की समाज ने गाजे बाजो के साथ महामुनिराज की भव्य आगवानी की गई थी।

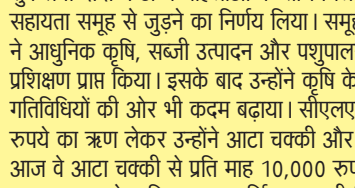

आत्मविश्वास, मेहनत व सही मार्गदर्शन से सुकेशनी पटेल लखपति बनी दीदी

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत गठित लक्ष्मी आजीविका स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सुकेशनी पटेल ने यह साबित कर दिया है कि आत्मविश्वास, मेहनत और सही मार्गदर्शन के साथ कोई भी महिला आत्मनिर्भर बन सकती है। पारंपरिक मजदूरी से जीवन यापन कर रहीं सुकेशनी आज एक सफल उद्यमी और लखपति दीदी के रूप में ग्राम की प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं। सुकेशनी पटेल अपने पति विकास पटेल के साथ खेती और मजदूरी के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। परिवार की कुल मासिक आय महज 7 से 8 हजार रुपये थी, जिससे जीवनयापन अत्यंत कठिन था। उस समय उनके पास कोई स्थायी आय का स्रोत नहीं था। वर्ष 2018 में जब ग्राम नागपुरकलां में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों का गठन हो रहा था, तब सुकेशनी दीदी ने अन्य महिलाओं के साथ मिलकर लक्ष्मी आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह से जुड़ने के बाद सुकेशनी ने आधुनिक कृषि, सब्जी उत्पादन और पशुपालन की तकनीकों के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने कृषि के साथ-साथ गैर-कृषि गतिविधियों की ओर भी कदम बढ़ाया। सीएलएफ के माध्यम से 3.5 लाख रुपये का ऋण लेकर उन्होंने आटा चक्की और कपड़े की दुकान शुरू की। आज वे आटा चक्की से प्रति माह 10,000 रुपये और कपड़े की दुकान से 12,000 रुपये मासिक आय अर्जित कर रही हैं। इसके अलावा वे मध्यप्रदेश शासन की लाड़ली बहना योजना का लाभ भी प्राप्त कर रही हैं। आज श्रीमती सुकेशनी न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, बल्कि वे ग्राम की अन्य महिलाओं को भी लखपति बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। समूह से जुड़ने से उनका आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा है। वे अपने जीवन में आए इस परिवर्तन का श्रेय स्व-सहायता समूह, सीएलएफ और आजीविका मिशन को देती हैं। सुकेशनी पटेल की कहानी ग्रामीण महिलाओं के लिए एक जीवंत उदाहरण है कि यदि सही दिशा और समर्थन मिले, तो महिलाएं भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती हैं और अपने परिवार व समाज को सशक्त बना सकती हैं। उनकी यह यात्रा ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण है।

जिला स्तरीय सहायता समिति की बैठक संपन्न

कलेक्टर ने एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित रेवा सभा कक्ष में जिला स्तरीय सहायता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा कर उनका निराकरण किया गया।

बैठक में योजना के अंतर्गत प्राप्त कुल 14 आवेदनों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। समिति के सदस्यों द्वारा पूर्व में इन सभी आवेदनों से संबंधित औद्योगिक इकाइयों का भौतिक निरीक्षण एवं दस्तावेज परीक्षण पूर्ण किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश

शासन द्वारा एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत पात्र आवेदकों को 40त्न तक अनुदान सहायता प्रदान की जाती है। कलेक्टर सुश्री मीना ने निर्देश दिए कि जिन आवेदनों का सत्यापन समिति सदस्यों द्वारा पूर्ण कर लिया गया है और जिन्हें स्वीकृति प्रदान की गई है, उन प्रकरणों को शीघ्र आगामी प्रक्रिया हेतु प्रेषित किया जाए।

साथ ही कलेक्टर ने निर्देश दिए कि ऐसे प्रकरण जिनमें सत्यापन की प्रक्रिया शेष है, उन्हें आगामी 10 दिवसों के भीतर सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण कर प्रस्तुत किया जाए। कलेक्टर ने यह भी निर्देशित किया कि जिन आवेदनों में कार्यस्थल का पुनः निरीक्षण आवश्यक है, उनका दोबारा स्थल निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने सभा कक्ष में उपस्थित उद्यमियों से उनके उद्योगों की वर्तमान स्थिति एवं समस्याओं की जानकारी भी प्राप्त की। बैठक में महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र कैलाश माल, एलईडीएम आर. डी. वघेला सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

बस की टक्कर से घायल बाइक सवार जबलपुर रेफर, बस जब्त

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

बुधवार को तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत तारादेही मार्ग पर स्थित बांदीपुरा ग्राम के समीप एक बाइक सवार को यात्री बस ने जोरदार टक्कर मार दी हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां से युवक को गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार जगदीश पिता प्यारेलाल लोधी उम्र 40 वर्ष निवासी बांदीपुरा ग्राम थाना तेन्दूखेड़ा है जो शाम को

बाइक से तेन्दूखेड़ा की तरफ आ रहा है उसी समय तेंदूखेड़ा से तारादेही जा रही बस क्रमांक एमपी 20 पी ए 0575 पिपरिया एक्सप्रेस कंपनी की बस से बाइक सवार की

ड्राइवर तरफ टक्कर हो गई हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए जिसे स्वास्थ्य केंद्र से इलाज के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है पुलिस द्वारा बस को जब्त कर आगे की कार्रवाई करते हुए मामले की जांच की जा रही है।

अवैध उत्खनन करते तीन पोकलेन मशीनें, एक जेसीबी और एक मोटर बोट इंजन जब्त..

नर्मदापुरम। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिले में अवैध उत्खनन के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में गत दिवस को तहसील सिवनी मालवा के अंतर्गत रामगढ़ घाट पर बड़ी कार्यवाही करते हुए स्थानीय प्रशासन ने अवैध खनन पर कार्रवाई करते हुए उत्खनन में संलिप्त वाहन जब्त किए। उक्त कार्यवाही के दौरान तीन पोकलेन मशीनें, एक जेसीबी और एक मोटर बोट इंजन जब्त किए गए। यह कार्रवाई खनिज विभाग एवं प्रशासनिक अमले की संयुक्त टीम द्वारा की गई है। कार्रवाई में डिप्टी कलेक्टर जय सोलंकी, तहसीलदार सिवनी मालवा शंकर सिंह रघुवंशी, थाना प्रभारी शिवपुर, खनिज निरीक्षक मती पिंकी चौहान, राजस्व निरीक्षक देवेन्द्र खंडेरिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में मृत युवक की गर्भवती पत्नी ने किया जहरीले पदार्थ का सेवन, घटना को लेकर परिजनों ने जताया आक्रोश

गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसे में हुई थी तीन युवकों की मौत

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

देहात थाना की नरसिंहगढ़ चौकी अंतर्गत दमोह छतरपुर हाईवे पर ग्राम मारा के समीप गुरुवार सुबह करीब 5 बजे एक तेज रफ्तार कार और बाइक में सीधी भिड़ंत हो गई घटना में बाइक सवार तीन युवक की मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद मौके पर पड़े युवकों को आनन फानन में जिला अस्पताल लाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया और सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। दूसरी ओर हादसे की खबर सुनकर एक मृतक की गर्भवती पत्नी ने भी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया जिसे परिजनों द्वारा तत्काल जिला अस्पताल लाया गया जहां उसकी हालत अब सामान्य बनी हुई है। दोपहर को मृतकों के गृह

पुलिस महकमे का है आरोपी वाहन

बताया जा रहा है कि जिस वाहन की टक्कर से तीनों युवकों की मौत हुई है वह पुलिस महकमे का है, जो मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहा था और इसी दौरान यह हादसा हो गया। आरोप यह भी है की घटना के समय आरोपी वाहन अत्यधिक तेज रफ्तार में था जिसके चलते इतना बड़ा हादसा सामने आया।

ग्राम में परिजनों ने हादसे पर अपना विरोध जताया और मामले में कड़ी कार्यवाही के साथ राहत राशि की भी मांग की है।

प्राप्त जानकारी अनुसार तेजगढ़ थाना क्षेत्र के वादों पहाड़ निवासी चंदन पिता गेंदालाल अहिरवार 26 वर्ष, सोनू पिता नंदराम अहिरवाल 25 वर्ष, संदीप पिता रामजी अहिरवार 24 वर्ष बाइक सवार युवक ग्राम जेरठ में अपने भतीजे की शादी समारोह में शामिल होने गए थे। गुरुवार सुबह यह तीनों बाइक क्रमांक एमपी 34 जेडई 7497 जो वापस लौट रहे थे, इसी दौरान सामने से आ रही फॉर्च्यूनर क्रमांक एमपी 03 ए 8643 से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी की बाइक सवार तीनों युवक हवा में उछलकर कई फीट दूर जा गिरे और उनकी बाइक भी काफी दूर जाकर गिरी।

घटनास्थल पर ही तीनों युवक लहूलुहान अवस्था में पड़े हुए थे। मौके पर पहुंचे पुलिस के अधिकारियों द्वारा तीनों को जिला अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई उपरांत शव परिजनों को सौंप दिए।

परिवार में शादी की खुशियां मना रहे परिजनों को जब एक साथ तीन मौतों की जानकारी मिली तो उनके साथ ग्रामवासी भी गमगीन हो गए। वहीं दूसरी ओर मृतक संदीप की गर्भवती पत्नी निकिता ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। परिजनों द्वारा महिला को जिला अस्पताल लाया गया जहां इलाज के बाद उसकी हालत अब ठीक बताई जा रही है और उसे घर भी वापस भेज दिया गया है।

टाइगर रिजर्व से जल्द विस्थापित होंगे गांव, पहली बार दिखेंगे चीते-बाघ-तेंदुए

तेन्दूखेड़ा! मप्र के सबसे बड़े वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में चीतों की बसाहट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून के वैज्ञानिकों और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के डॉ. वीबी माथुर और टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी की टीम ने 1 से 3 मई तक किए गए निरीक्षण में मुहली, सिंहपुर और झापन रेंज को चीतों के लिए उपयुक्त पाया है। अगले एक से डेढ़ साल में चीतों को यहां लाया जा सकता है दुर्गावती टाइगर रिजर्व में वर्तमान में मांसाहारी जानवरों में टाइगर और तेंदुओं के साथ ही भेड़िया और सियार भी मौजूद हैं। ऐसे में यहां चीतों की बसाहट होगी तो यह देश का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व होगा, जहां पर एक साथ टाइगर, तेंदुआ और चीता नजर आएंगे। यह प्रयोग भी साबित होगा कि यह तीनों जानवर एकसाथ एक जंगल में रह सकते हैं। इसके लिए 22 गांवों का विस्थापन, फेंसिंग और ग्रासलैंड मैनेजमेंट जैसी तैयारियां की जा रही हैं। चीता प्रोजेक्ट के अफसरों के निरीक्षण के बाद टाइगर रिजर्व में चीतों की बसाहट के लिए पत्राचार शुरू हो गया है। पहला पत्र जारी किया गया है, जिसमें टाइगर रिजर्व को जंगल में तैयारियां करने के निर्देश दिए गए हैं टाइगर रिजर्व की मुहली, सिंहपुर और झापन रेंज का क्षेत्रफल लगभग 600 वर्ग किलोमीटर है। यह पूरे टाइगर रिजर्व के 2339 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इन रेंजों में विशाल मैदान हैं, जो चीतों को दौड़कर शिकार करने में सहायक होंगे। यह क्षेत्र चीतों के लिए सुरक्षित वातावरण प्रदान करता है। यहां पर्याप्त जल स्रोत हैं और शिकार के लिए चिंकारा, चीतल, सांभर जैसे शाकाहारी जानवर भी मौजूद हैं टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने चीतों की बसाहट के लिए तैयारियां आरंभ कर दी हैं। प्राथमिकता के तौर पर जंगल में स्थित गांवों का विस्थापन किया जाएगा।

मेट्रो एंकर जंगलिया गणेशधाम में आयोजित शिव पुराण कथा के पंचम दिवस पंडित केशव गुरु ने कहा

'संत ब्राह्मण और बुजुर्गों का सम्मान करना चाहिए, भूलवश भी गलती न हो'

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

जंगलिया गणेशधाम पर चल रही शिव पुराण कथा एवं भगवान गणपति की स्थापना के अवसर पर कथा के पंचम दिवस पंडित केशव गुरु ने शिव पुराण के माध्यम से बताया संत ब्राह्मण एवं बुजुर्गों का हमेशा सम्मान करना चाहिए। भूल से भी यह अपराध हमें अनेक कष्ट प्रदान करता है। कलावती का वृतांत सुनाते हुए बताया पहला महीना में पितरों की पुत्री थी एक समय सनकादी ऋषि पधारे तीनों बहनें कलावती धन्य एवं मैंने इन संतों का अपराध कर दिया इसी के कारण इनको पितृ लोक से मृत्यु लोक में आना पड़ा मैं हिमाचल की पत्नी बनी धन्य सुनैना बनकर श्री सीता जी की माता बनी एवं कलावती कीर्ति बनकर राधा जी की माता के रूप में मृत्यु लोक में आई है आगे तारकासुर की कथा सुनाते हुए कहा इसने अपनी सीढ़ियां के द्वारा जनता में भ्रम पैदा कर दिया था भगवान के पुत्र स्कंद ने तारकासुर का वध किया शिव पुराण में तार का और को अंध श्रद्धा कहा गया इसी प्रकार

भागवत में वृत्तासुर को अन्य श्रद्धा का स्वरूप बताया गया है आजकल हम सब धार्मिक तो बने लेकिन धर्मांग ना बने गणपति जन्म की कथा में कहा माता-पिता के चरणों में सभी तीर्थ निवास करते हैं भगवान गणपति ने पृथ्वी की परिक्रमा की अपेक्षा माता-पिता की चरणों की सेवा को श्रेष्ठ माना इसीलिए इनको रिद्धि और सिद्धि के रूप में पत्नी प्राप्त हुई शुभ एवं लाभ के रूप में पुत्र की प्राप्ति हुई अतः माता-पिता की सेवा ही हमें परमात्मा की भक्ति में फल प्रदान करने वाली है इस विषय में नारद का वृतांत सुनाते हुए बताया नारद जी अपनी माता को छोड़कर संतो के साथ में तपस्या करने की जिद करते हैं लेकिन संतों ने नारद जी को उपदेश दिया कि जब तक आपकी माता घर में है उनकी सेवा पूजा किए बगैर यदि आप भक्ति भी करते हैं तो आपको सिद्धि की प्राप्ति नहीं होगी।

अतः धर्म का आशय है सदाचार की प्राप्ति होना और यह सदाचारी हमको माता-पिता गुरुजनों से प्राप्त होता है आचरण के द्वारा ही परमात्मा प्रसन्न होता है एवं शुभ आचरण से ही जगत प्रसन्न होता है अतः जगत और जगन्नाथ को प्रसन्न करना है तो सबसे पहले हमें अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक होना पड़ेगा और जीव का प्रथम कर्तव्य है माता-पिता एवं बुजुर्गों के प्रति सेवा एवं सम्मान का भाव रखना कथा के अंत में नूरपुर धाम के महंत बालक दास जी महाराज एवं अनेक संतों के द्वारा शिव पुराण का पूजन एवं आरती संपन्न की गई इस अवसर पर डाहला सहित आसपास से भक्तगण सम्मिलित रहे।

होमगार्ड के जवानों एवं आपदा मित्रों को दिया गया बंगला घाट परप्रशिक्षण

सिरोंज। विदिशा आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए होमगार्ड जवान एवं आपदा मित्रों का तैराकी, मोटर बोट चालन, ड्राई रेस्क्यू तकनीक व अन्य आपदा उपकरणों के चालन का प्रशिक्षण आज गुरुवार से प्रारंभ किया गया। जिसमें 40 होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ जवानों को बेतवा नदी के बंगला घाट पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान रेस्क्यू में आने वाली सावधानियां को विस्तार से बताया गया। यह प्रशिक्षण आगामी 4 जून 2025 तक जारी रहेगा, जिसमें जिले के होमगार्ड जवान व आपदा मित्रों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान जिला सेनानी होमगार्ड मयंक कुमार जैन, प्रशिक्षण प्रभारी प्लाटून कमांडर सुश्री रश्मि दुबे एवं सहायक प्रशिक्षण प्रभारी एएसआई लक्ष्मीनारायण विश्वकर्मा तथा आरक्षक रोहित भारती मौजूद रहे।

जतरापुरा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ

सिरोंज। विदिशा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा विधिक जागरूकता शिविरो का आयोजन किया जा रहा है इसी कडी के तहत आज विदिशा शहर के जतरापुरा आदिवासी बस्ती में शिविर आयोजन किया गया और रहवासियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं का सुना गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री जाकिर हुसैन के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले विधिक जागरूकता शिविरो की जानकारी देते हुए न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री नितेन्द्र तोमर ने आज सम्पन्न हुए शिविर की जानकारी देते हुए बताया कि जतरापुरा आदिवासी बस्ती के रहवासियों द्वारा आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने की शिकायत दर्ज की है जिस पर कार्यवाही करने हेतु जिला प्रशासन को सूचित किया गया है। वहीं शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागो को शिविरो के माध्यम से जानकारियां सम्प्रेषित करने का प्लान अनुसार कार्य संपादित करें। इस अवसर पर न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवांगी सिंह एवं लीगल एण्ड डिफेंस काउसंलर श्री विनोद कुशवाह, श्री अनिमेष तिवारी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के श्री संतोष रघुवंशी मौजूद रहें।

कटरा-रोहिलपुरा मार्ग डामरीकरण में अनियमितताएं, साइड बनाने में खानापूर्ति

सिरोंज। कुछ महीने पहले कटरा मोहल्ला से लेकर रोहिल पुरा चौराहा तक मार्ग पर नगर पालिका परिषद से टेंडर लेकर ठेकेदार द्वार डामरीकरण कार्य किया काम में की गई अनियमितता हल्की सी बारिश में ही सामने आने लगी है। इस मार्ग को 13 फिट चौड़ाई वाले डामर रोड की दोनों साइड में कोपरा डाल कर साइड बनाई गई हैं। 1 किलो मीटर का यह रोड है डामर मार्ग पर 100 से 200 मीटर की दूरी पर कोपरा फैला कर साइड बनाने की औपचारिकता कर दी गई है। रोड के दोनों ओर तरफ साइड में नाम मात्र का कोपरा डाला गया है। कुछ जगह पर डाला ही नहीं गया। 100 से 150 मीटर तक साइड खाली पड़ी हैं इसके कारण वाहन चालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नगर पालिका ने यह मार्ग 20 लाख की लागत से स्वीकृत किया गया । जिसमे मार्ग पर डामरीकरण के साथ मार्ग में सीमेंट के पाइप लगा कर बरसाती पानी निकासी का प्रबंध किया जाना तय किया गया था। मग़र 6 माह पूर्व नगर पालिका के ठेकेदार द्वारा पानी निकासी के प्रबंध किए बिना ही मार्ग का डामरीकरण कर दिया गया था। अब मार्ग की साइड बनाने के काम में भी औपचारिकता ही की गई है।

कलेक्टर ने की आयुष विभाग के कार्यो की समीक्षा

औषधीय पौधों की खेती करने वाले किसानों की जानकारी संकलित करें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने गुरूवार को आयुष विभाग के कार्यो की गहन समीक्षा की। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में जिला आयुष अधिकारी डॉ दिनेश कुमार अहिरवार के अलावा समस्त आयुष डाक्टर, कम्पाउण्डर और औषधी सेवक मौजूद रहें।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी आयुष चिकित्सकों को निर्देशित किया है कि समय पर स्वास्थ्य केन्द्रो का संचालन हो। किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त नहीं होना चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं की जांचो के संबंध में विशेष निर्देश देते हुए कहा कि जब तक अस्पताल में डिलेवरी नहीं हो जाती है तब तक आयुष चिकित्सक भी गर्भवती महिलाओ के स्वास्थ्य पर नजर रखें यदि कहीं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य में गिरावट आती है तो अविलम्ब उपचार करें ताकि जच्चा, बच्चा दोनो स्वस्थ बनें रहें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि जिले में जिन कृषकों के द्वारा औषधियों की खेती की जा रही है उनसे सम्पर्क करें और कितने रकवा में फसल ली जा रही है।

फसल विक्रय के लिए बाजार की सुविधा उपलब्ध कराएं। उन्होंने खासकर अश्वगंधा और सफेद मूसली सहित अन्य औषधियों की खेती के संबंध में विशेष ध्यान देने की बात कहीं है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला आयुष अधिकारी को निर्देश दिए है कि विभाग के माध्यम से जो उपलब्धियां हासिल की जा रही है उन पर आधारित सफलता की कहानियां रिलीज करें ताकि आमजनों तक औषधी के उपचारो की जानकारियां सुगमता से पहुंच सकें। इस दौरान आयुष विभाग के माध्यम से चिकित्सकों द्वारा किए जा रहे विशेष रोगोपचार कार्यक्रमो के तहत आयोजित होने वाले शिविरो के साथ-साथ अन्य उपलब्धियां जिला आयुष अधिकारी के द्वारा रेखांकित की गई है। कलेक्टर श्री गुप्ता ने आयुष विभाग की विगत तीन वर्षो की ओपीडी में दर्ज मरीजो की प्रक्रिया तथा औषधालयों की रैकिंग, विभागीय देवारण्य योजना की प्रगति, आयुष चिकित्सा की विशिष्टता के बारे में जानकारी प्राप्त की है।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने आयुष विभाग के चिकित्सको को निर्देशित किया है कि विभागीय कोई भी गतिविधियां जैसे शिविरो का आयोजन, पंचकर्म, योग आदि का प्रचार-प्रसार अधिक से अधिक किया जाए। इसी प्रकार देवारण्य योजना के अंतर्गत जिले में औषधियों विशेषकर अश्वगंधा की खेती करने वाले किसानो की सूची तैयार कर जिला कार्यालय को उपलब्ध कराएं। ईएनसी की देखभाल में फलदायी आयुष चिकित्सा का प्रयोग करें। बैठक में कुपोषित बच्चों के पुर्नस्थान के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा गोद लेने के अभियान की बिन्दुओं से विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनिता लोढा ने जानकारियां सांझा की वहीं पोषण किट के लिए की जा रही पहल के सहयोग हेतु आव्हान किया है।

कुपोषण मुक्त विदिशा के पोषण संजीवनी अभियान में सहभागिता की अपील

सिरोंज। विदिशा जिले को कुपोषण के दाग से विमुक्त करने के लिए कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा विशेष पहल कर नवाचार में सहभागिता निभाने की अपील की गई है। कलेक्टर के अथक प्रयास से विदिशा के 1449 अति गंभीर कुपोषित बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने एवं उनके चेहरे पर मुस्कान लाने के लिये पोषण संजीवनी अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। गौरतलब हो कि वर्तमान में विदिशा में 1449 बच्चे अति कुपोषित है। इन बच्चों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण एवं एनआरसी की सुविधा दी जाती है। वर्तमान में 1449 कुपोषित बच्चों को गोद लेना है, समुदाय के जागरूक, सम्पन्न, बुद्धिजीवी वर्ग के व्यक्तियों को पोषण मित्र के रूप में कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं की देखभाल की जिम्मेदारी लेने के लिये प्रेरित करना उक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि परियोजना स्तर पर कुपोषित बच्चों की सूची उपलब्ध है। प्रति बच्चा राशि 3 हजार रुपए निर्धारित की गई है। इस राशि से कुपोषित बच्चे को सुपोषण किट उपलब्ध कराना है। बच्चों को दी जाने वाली किट में सूखा राशन पैक , मुरमुरा, बेशन, गुड़, मूंगदाल, पोह, चावल, आटा घी मसाले आदि। लड्डू सामग्री ताकतवर पौष्टिक लड्डू बनाने के लिए सामग्री, खिलौने एवं शिक्षण सामग्री (टीएलएम) शामिल है। जिले में अब तक 600 बच्चों को जनप्रतिनिधि, अधिकारी, स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा गोद लने हेतु राशि महिला एवं बाल विकास अधिकारियों को प्रदाय की गई है। इन बच्चों को कुपोषण से मुक्त करने एवं स्वस्थ बनाने के लिए नगर के सभी नागरिकों से कुपोषित बच्चो को गोद लेकर सुपोषण किट प्रदाय कराने का आव्हान किया गया है इसके लिए विभाग के परियोजना अधिकारियों से भी सम्पर्क किया जा सकता है।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस 31 को

सिरोंज। विदिशा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन 31 मई को विदिशा जिले में भी किया गया है। इंडियन मेडिकल ऐसोशिएशन के डाक्टर्स फोरम के द्वारा आयोजित कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया गया कि 31 मई को एक रैली एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें जर्दा और तम्बाकू के उपयोग से फेफडो की विभिन्न बीमारियों से अवगत कराया जाएगा। जनजागरूकता रैली 31 मई की प्रातः आठ बजे स्थानीय नर्सिंग कॉलेज से प्रारंभ होकर नीमताल चैराहे पर पहुंचेगी और यहां तम्बाकू निषेध की शपथ के साथ रैली का समापन होगा। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस की दोपहर 2 बजे से अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्रागंण में संगोष्ठी आयोजित होगी जिसमें जिला स्वास्थ्य विभाग, इंडियन मेडिकल एसो., अटल बिहारी वाजपेयी कालेज के अध्यापकगण, इंडियन एकेडमी आफ पीडियाट्रिक्स, जिला अस्पताल, इंडियन डेण्टल एसो., डाक्टर फोरम के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की गई

प्रिंस श्रीवास्तव से दिनभर पुलिस करती रही पूछताछ

लेनदेन का देखा रिकॉर्ड, महिला के फर्जी साइन से फर्जीवाड़ा !

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एचडीएफसी बैंक में पी वी ए के रूप में कार्य करने वाले बैंक कर्मचारी प्रिंस श्रीवास्तव ने पिछले दिनों कई लोगों से मोटी रकम लेकर गायब हो गया था पर पुलिस के प्रेशर के आगे उसने अपना समर्पण कर दिया था जीजा को गिरफ्तार करने और परिजनों पर पर दबाव बनाने की वजह से आरोपी ने बुधवार को पुलिस के सामने सिलेंडर कर दिया था इसके पुलिस न्यायालय में पेश किया करके मामले में पूछताछ के लिए न्यायालय से 10 की रिमांड पर मांगा था जहां से न्यायालय ने पुलिस को 2 दिन की पी आर पर दिया है। गुरुवार को दिनभर पुलिस इसके द्वारा किए गए लेनदेन और परिजनों के खातों की जानकारी लेती रही जिसमें एक महत्वपूर्ण जानकारी भी सामने आई है आरोपी ने एक महिला के नाम से भी लेनदेन किया उसके फर्जी साइन किए हैं उसकी पहचान होना अभी बाकी है। दूसरी ओर 6 से 7 लोगों अपने पैसे लेकर गायब

होने की शिकायत की है। जिस तरह की चर्चाएं पिछले 15 दिनों से हो रही थी उसे हिसाब से लोग शिकायत करने पुलिस के पास नहीं पहुंचना है।बड़े लोग सामने नहीं आ रहा है सबसे ज्यादा चूना इनको ही को लगाया है। वह तो शिकायत करने अभी तक पुलिस के पास नहीं पहुंचे जितनी शिकायत है थाने में है उनकी जानकारी जुटाना का काम भी पुलिस आरोपी प्रिंस श्रीवास्तव से कर रही है। कितने लोगों से ठगी की है इसका खुलासा पूछताछ के माध्यम से करने में लगी हुई है कई एविडेंस पुलिस के हाथ लगे हैं उनको आधार बनाकर पुलिस अपना काम कर रही है। प्रिंस श्रीवास्तव ने बैंक में काम करने के दौरान बड़े घोटाला सामने किया जिसकी चर्चाएं हो रही थी। सबसे बड़ी बात तो इसने बड़े सातिर दिमाग का उपयोग किया है पहले इनको ब्याज देकर अपने झांसे में लिया फिर मोटी रकम लेकर गायब हो गया इसकी चोरी तीन चेको से राशि निकाले में फंस गया। इससे पहले पुलिस की पकड़ आने से पहले यह बैंक से फरार हो गया था 15 दि नो के बाद पुलिस के पास आया है ।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 4 करोड़ की राशि का गोलमाल हुआ जिसमें कई लोगों ने लाखों रुपए इसको उधर में दिऐ नंबर एक मैं इनका पैसा नहीं इसलिए यहां लोग सामने नहीं आ रहा है ।

वहीं थाना प्रभारी पंकज गीते ने बताया कि दिनभर खातों के लेनदेन की जानकारी लेते रहे कितने लोगों से पैसे लिए हैं कैसे निकाले अभी 6 से 7 लोगों की शिकायती सामने आई है । वहीं एक महिला के नाम पर फर्जी साइन की जानकारी मिली है इसकी पुष्टि होना बाकी है।

विकसित भारत संकल्प अभियान शुरू, फार्मर आईडी बनाये जाने का अभियान 12 जून तक

सिरोंज। विदिशा प्रदेश में विकसित भारत संकल्प अभियान 29 मई से शुरू हो गया है जो 12 जून तक क्रियान्वयन किया जाएगा। अभियान अवधि में डिजिटल कृषि मिशन के तहत फार्मर आईडी वितरण का कार्य किया जाएगा ।

भू अभिलेख आयुक्त ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को पत्र लिखकर प्रदेश के सभी जिलों में भूधारियों हेतु फार्मर आईडी बनाये जाने का कार्य प्रगतिरत है। विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत भी फार्मर आईडी वितरण कार्य को भी सम्मिलित किया गया है। जो अभियान के रुप में 12 जून तक शत-प्रतिशत फार्मर आईडी बनाये जाने के लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु संबंधित स्थानीय युवा एवं पटवारियों हेतु लक्ष्य नियत कर कार्यवाही पूर्ण सुनिश्चित करने का संदेश संप्रेषित किया गया है।

कलेक्टर ने जन शिक्षकों के कार्यो का जायजा लिया, कहा- एक-एक पीरियड जरूर लें

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने पठारी तहसील क्षेत्र के भ्रमण दौरान पठारी के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पहुंचकर स्कूल के माध्यम से शैक्षणिक क्षेत्रो की प्राप्ति के लिए किए गए प्रबंधो का जायजा लिया हैं।

कलेक्टर ने जन शिक्षकों के माध्यम से सम्पादित किए जा रहे कार्यो की समीक्षा की है। उन्होंने कहा है कि आवंटित कार्य क्षेत्रो के स्कूलो में निर्धारित बच्चों के दाखिला लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने जन शिक्षकवार स्कूलो की संख्या और लक्ष्य दोनो की जानकारियां प्राप्त की है। कलेक्टर ने समीक्षा के दौरान सभी जन शिक्षकों से कहा कि वे भ्रमण के दौरान किसी भी एक स्कूल में पीरियड अवश्य लें जिससे शिक्षको व बच्चों की उपस्थिति में वृद्धि होगी। उन्होंने बच्चों को जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्धेश्यों से अवगत कराने पर बल देते हुए कहा कि हम आने वाली पीढी को जल भण्डारण के प्रचुर स्त्रोत विरासत में दें। वहीं बच्चो को जल का सदुपयोग करना भी सीखाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने यातायात नियमो की भी जानकारी बच्चों को देने पर

बल दिया साथ ही ग्राम में निवास के दौरान बच्चों के माध्यम से संदेशो का सम्प्रेषण करने और बच्चों को शासकीय संस्थाएं जैसे बैंक, थाना, अस्पताल सहित अन्य कार्यालयों का भ्रमण कराकर उन कार्यालयों के माध्यम से संपादित होने वाले कार्यो से बच्चों को रू-ब-रू कराएं। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिए है कि स्कूलो में दाखिला लेने से कोई बच्चा वंचित ना रहे। उन्होंने स्कूलो के बच्चे जो मेरिट में आते है कि सूची लगाने के निर्देश दिए है वहीं स्कूल की प्रयोगशाला में पहुंचकर बच्चों को सौर मण्डल की प्रायोगिक जानकारी देने के लिए किए गए प्रबंधो की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कलेक्टर ने सभी जन शिक्षकों से कहा कि जैसे अपने बच्चों की चिंता करते है ठीक वैसे ही स्कूल में दाखिला लिए बच्चों के प्रति चिन्तित रहें। उन्होंने पढ़ाई के क्षेत्र में कमजोर बच्चों की और विशेष ध्यान देने पर बल दिया है। इस मौके पर डीपीसी आरपी लखेर, बीईओ, बीआरसी के अलावा कुरवाई एसडीएम निखिल कुमार जैन, तहसीलदार अभिषेक पांडे मौजूद रहे।

साइबर फ्रॉड करने वालों से रहे सचेत, थाना प्रभारी ने आमजनों को किया जागरूक

सिरोंज। फर्जीकॉल से साइबर अपराध को अंजाम देने वाले बदमाशों से सावधान रहने के लिए लगातार साइबरसेल और पुलिस आमजन को जागरूक किया जा रहा है इसके बाद भी कुछ लोग इनके जाल में फंस रहे हैं । साइबर फ्रॉड करने वाले अपराधियों से आमजन को पूरी तरह जागरूक करने के लिए थाना प्रभारी पंकज गीते ने भी लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि फर्जी कॉलों पर ध्यान नहीं देना है ना ही इनकी बातों में ऑनलाइन अपराध करने वालों के बारे में बताते हुए कहा कि यह लोग फर्जी सिम का उपयोग करके कॉल करके लोगों अपने जाल में फंसाते हैं हैं।। नातेदार रिश्तेदार पर अपराध और हाउस अरेस्ट की धमकी पैसे डलवाते हैं । सबसे पहले इनकी बातों में नहीं आना है यदि कोई आ जाता है तो ऐसा करने वालों की तत्काल जानकारी नजदीकी थाने और हंड्रेड डायल पर दे जिससे की पुलिस साइबर अपराध की रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठा सके इसके अलावा हेल्पलाइन नंबर पर सूचना दें जिससे कि इन अपराधियों को पकड़ने में आसानी हो उन्होंने बताया कि साइबर अपराध को अंजाम देने वाले फोन करके कहते हैं कि आप के रिश्तेदार और भाई आदि ने अपराध का भय दिखाकर उलझा कर हाउस अरेस्ट कर लेते हैं। धमकी देते हैं कि पास के थाने में मामला पंजीकृत करके गिरफ्तार करने की धमकी देते हैं इसके कारण कुछ लोग इनके जाल में फंस जाते हैं पर हमें ऐसे फर्जी लोगों की बातों में ना आ ऑनलाइन अरेस्ट की कोई प्रक्रिया नहीं होती है।

मेट्रो एंकर विदिशा जिले की ताइक्वांडो की इंटरनेशनल व एशियाई खिलाड़ी विधि कुशवाहा सुरक्षा, आत्मरक्षा और जन जागरूकता अभियान में निभा रही सक्रिय भूमिका

'अब हर लड़की मानसिक और शारीरिक विकास के लिए खेलों से जुड़ रही'

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिले की बालिका विधि कुशवाहा ने ताइक्वांडो खेल में इंटरनेशनल और एशिया स्तर की प्रतियोगितायों में ख्याति अर्जित कर विदिशा का नाम रोशन किया है। वह कक्षा दसवीं में अध्यनरत रहकर खेलों को बढ़ावा देकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रही हैं और अन्य बालिकाओं को भी ताइक्वांडो खेल से जुड़कर स्वयं की आत्मरक्षा के लिए आत्मनिर्भर बनने का संदेश दे रही हैं।

विदिशा जिले के रहने वाले सरदार सिंह कुशवाहा की पुत्री विधि कुशवाहा वर्तमान में ताइक्वांडो की इंटरनेशनल और एशियाई खिलाड़ी हैं। जिन्होंने ताइक्वांडो प्रतियोगिता में सहभागिता कर कई मेडल जीते हैं और खेल के क्षेत्र में विदिशा का नाम रोशन किया है।

ताइक्वांडो खिलाड़ी विधि कुशवाहा कहती हैं कि पढ़ाई के साथ-साथ वह ताइक्वांडो खेल में

हिस्सा लेती है और सुरक्षा, आत्मरक्षा और जन जागरूकता के अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वह ताइक्वांडो खेल के माध्यम से महिलाओं में सुरक्षा को लेकर जागरूकता लाने का कार्य कर रही हैं।

लोगों की बातों को अनदेखा कर खेल को चुना भविष्य

ताइक्वांडो खिलाड़ी विधि कुशवाहा ने बताया कि वह महिलाओं को यह बताने का प्रयास करती हैं कि खेलों से भी भविष्य बनाया जा सकता है। जब वह अध्ययन के साथ-साथ ताइक्वांडो खेल से जुड़ी तो शुरुआत में लोग कहते थे की लड़की होकर तुमने यह कौन सा खेल चुन लिया है इसमें बहुत मेहनत करनी पड़ती है। सुबह शाम के बाद पढ़ाई के लिए समय कैसे निकलोगु, लेकिन उन्होंने लोगों की बातों को अनदेखा कर पढ़ाई और खेल दोनों को जारी रखा। उन्होंने अपनी कमजोरी को अपनी ताकत बनाया और आगे बढ़ीं और आज उन्होंने ख्याति अर्जित कर अपना व अपने परिवार के साथ साथ विदिशा जिले का नाम गौरवान्वित किया है।

देश की हर लड़की ने निडर होकर अपनी आत्मरक्षा स्वयं करें

ताइक्वांडो खिलाड़ी विधि कुशवाहा कहती हैं कि अब हर लड़की मानसिक और शारीरिक विकास के लिए खेलों से जुड़ रही है और अपनी आत्मरक्षा स्वयं कर आत्मनिर्भर बन रही है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा भी खेलों के क्षेत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे महिलाएं अब खेल के क्षेत्र में ख्याति अर्जित कर रही हैं। उनकी मंशा है कि देश की हर लड़की निडर होकर अपनी आत्मरक्षा स्वयं करे। महिला सशक्तिकरण के विषय में उन्होंने कहा है कि महिला सशक्तिकरण एक शब्द नहीं बल्कि जिम्मेदारी है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पहुंची फाइनल में, प्लेऑफ में पीबीसी को 8 से हराया

रजत पाटीदार का वो गुरुमंत्र, जिससे डिरेल हो गई पंजाब की बल्लेबाजी

नई दिल्ली , एजेंसी

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 8 विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। गुरुवार को मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) के महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए क्वालि?फायर 1 मुकाबले में बेंगलुरु को जीत के लिए 102 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 10 ओवर में ही हासिल कर लिया।

आरसीबी की टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले उसने 2009, 2011 और 2016 के सीजन में भी फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि तीनों बार उसे हार झेलनी पड़ी। 3 जून (रविवार) को खिताबी मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना क्वालिफायर-2 की विजेता टीम से होगा। बता दें कि 1 जून (रविवार) को होने वाले क्वालिफायर-2 में पंजाब किंग्स की टक्कर एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से होनी है। एलिमिनेटर मुकाबले में 30 मई यानि आज मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटन्स की टीमें आमने-सामने हैं। यह मुकाबला भी मुल्लांपुर में ही होना है। वहीं आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टीम को चौथे आईपीएल फाइनल में पहुंचाने के बाद टीम की प्लानिंग पर बात की। पाटीदार ने इस दौरान प्लेयर ऑफ द मैच सुयश के मैजिकल स्पेल के बार में भी खुलकर बात की। पाटीदार बोले- सुयश ने अच्छा प्रदर्शन किया, वह स्टंप की लाइन में गेंदबाजी करता है, जो उसकी ताकत है, मैंने उसे ज्यादा आइडिया नहीं देता ताकि वो कंफ्यूज ना हो। बस यही कहा कि स्टंप पर गेंद रखे। पाटीदार ने यह भी कहा कि हम अपने प्लांस को लेकर बहुत क्लियर थे कि कैसे गेंदबाजी करनी है।

गुगली मेरी स्टॉक बाल

प्लेयर ऑफ द मैच सुयश शर्मा ने भी अपने कप्तान के इस एप्रोज की पुष्टि की और कहा कि चीजों को सरल रखना चाहिए। सुयश बोले- मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए लोग खुश होंगे, मेरा रोल स्टंप्स को हिट करना है, चाहे वह गुगली हो या लेग-स्पिन । गुगली मेरी स्टॉक बॉल है, पिच से भी थोड़ी मदद मिली। हम 3 जून को जश्न मनाएंगे। वहीं मैच खत्म होने के बाद कप्तान पाटीदार ने सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की खूब तारीफ की। पाटीदार ने कहा-जिस तरह से वह हर मैच में बल्लेबाजी कर रहा है, जिस तरह से वह हमें शुरुआत दे रहा है, वह एक ट्रीट है, मैं उसका बहुत बड़ा फैन हूं। पाटीदार ने आरसीबी फैन्स को आश्वस्त किया कि पार्टी शुरू होने से पहले बस एक मैच बचा है।

फ्रेंच ओपन: अल्काराज तीसरे राउंड में पहुंचे

रूड दूसरे दौर में हारकर बाहर, बोपन्ना की जोड़ी जीती

नई दिल्ली , एजेंसी

डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स के तीसरे राउंड में पहुंच गए हैं। खेले गए मुकाबले अल्काराज ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए हंगरी के फैबियन मरोजसन को 6-1, 4-6, 6-1, 6-2 से हराया। वहीं, दो बार के रनर-अप कैस्पर रूड दूसरे दौर में नीनो बोर्जेस से 6-2, 4-6, 1-6, 0-6 से हारकर बाहर हो गए। बोपन्ना-बालाजी की जोड़ी जीती रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी ने अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ जीत दर्ज करते हुए मेंस डबल्स के दूसरे दौर में जगह बनाई। बोपन्ना और चेक गणराज्य के उनके जोड़ीदार एडम पावलासेक ने रॉबर्ट कैश और जेजे ट्रेसी की अमेरिकी की जोड़ी को बुधवार देर रात 7-6, 5-7, 6-1 से हराया।

बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस वारेला ने पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में सिर्फ 51 मिनट में चीन के युनचाओकेट बू और अर्जेन्टीना के कैमिलो उगो काराबेली को 6-2, 6-1 से हराया। स्वियातेक ने रादुकानू को हराया चार बार की फ्रेंच ओपन चैंपियन पोलैंड की इगा स्वियातेक ने इंग्लैंड की एमा रादुकानू को 6-1, 6-2 से हराया। बेलारूस की आर्यन सबालेंका ने जिल टेचमान को 6-3, 6-1 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। नडाल सबसे सफल खिलाड़ी लाल बजरी के बादशाह कहे जाने वाले राफेल नडाल ने रिकॉर्ड 14 बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है। नडाल ने फ्रेंच ओपन में 18 बार हिस्सा लेते हुए 112 मैच जीते हैं और उन्हें सिर्फ चार बार हार का सामना करना पड़ा है जो किसी भी एक ग्रैंड स्लैम में मेंस और विमेंस कैटेगरी में वर्ल्ड रिकॉर्ड है। फ्रेंच ओपन साल का दूसरे ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन, जिसे रोलांड गैरोस के नाम से भी जाना जाता है, एक टेनिस टूर्नामेंट है जो हर साल पेरिस में आयोजित होता है। यह दुनिया के चार ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नामेंटों में से एक है, और इसे क्ले कोर्ट पर खेला जाता है। यह साल का दूसरे ग्रैंड स्लैम होता है।

सिंगापुर ओपन : सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल में, सिंधू-प्रणय बाहर

नई दिल्ली , एजेंसी

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल टीम ने गुरुवार को यहां सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की।

अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक चुकी सिधू ने दूसरे गेम में अपनी पुरानी फॉर्म दिखाई। उन्होंने 19-12 की बढ़त बनाने के बाद दूसरा गेम 21-18 से जीता। हालांकि तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने अपने दमदार स्मैश और कोर्ट पर बेहतर नियंत्रण बनाते हुए मैच जीत लिया।

लय बरकरार नहीं रख सकीं सिंधू

पहले दौर में कनाडा की वेन यू झेंग के खिलाफ 21-14, 21-9 से जीत दर्ज करने वाली सिंधू दूसरे दौर में इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहीं। पुरुष एकल में भी भारत को निराशा हाथ लगी जब एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ 16-21 14-21 से हारकर बाहर हो गए। भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को महिला युगल के दूसरे दौर में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान की जोड़ी से 8-21, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। वहीं रोहन कपूर और रूत्विका शिवानी गाडे की मिश्रित युगल जोड़ी भी हारकर बाहर हो गई जिन्हें हांगकांग की टांग चुन मान और से यिग सुएत की जोड़ी ने 31 मिनट में 21-10, 21-16 से पराजित किया।

भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के साथ तीन एकदिवसीय खेलेगी

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इस साल देश में होने वाले आईसीसी विश्व कप की तैयारी के तौर पर सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की पुरुष 'ए' टीमें सितंबर से नवंबर के बीच भारत का दौरा करेंगी और इस दौरान बहुदिवसीय और सीमित ओवरों के क्रिकेट मैच खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने बयान में कहा, ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगी जो आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 से पहले टीम की तैयारी में अहम भूमिका निभाएगा। महिलाओं की श्रृंखला के तीन मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 14, 17 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे।

भारत में 50 ओवर के महिला विश्व कप का आयोजन कई स्थलों पर 29 सितंबर से 26 अक्टूबर के बीच किया जाएगा। लगभग इसी समय ऑस्ट्रेलिया की पुरुष 'ए' टीम भी भारत दौरे पर होगी और यहां चार दिवसीय दो मैच खेलने के अलावा तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेगी। दौरे की शुरुआत लखनऊ में 16-19 सितंबर तक चार दिवसीय मैच के साथ होगी। दूसरा मैच भी इसी स्थल पर 23-26 सितंबर तक खेला जाएगा। तीन एकदिवसीय मैच कानपुर में 30 सितंबर तथा तीन और पांच अक्टूबर को खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के बाद अक्टूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका की पुरुष 'ए' टीम के खिलाफ भी श्रृंखला होगी। बीसीसीआई ने बयान में कहा, दक्षिण अफ्रीका की पुरुष ए टीम भी विस्तृत श्रृंखला के लिए भारत का दौरा करेगी जिसमें बहुदिवसीय और सीमित ओवरों के प्रारूप के मैच बेंगलुरु में खेले जाएंगे। दो बहुदिवसीय मुकाबले बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होंगे जबकि तीन एकदिवसीय मैच एन चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जाएंगे।दक्षिण अफ्रीका 'ए' के खिलाफ चार दिवसीय दो मैच 30 अक्टूबर तथा छह नवंबर से खेले जाएंगे।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

सुंदरी जाह्नवी के प्यार में सिद्धार्थ मल्होत्रा, विलेन बना परिवार, सामने आया टीजर

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी की चर्चा काफी समय से चल रही थी। कुछ महीनों पहले फिल्म का पोस्टर जारी किया था जिसमें दोनों लीड एक्टर्स के किरदार दिखाए गए। जहां सिद्धार्थ नॉर्थ इंडिया के परम बने हुए हैं, वहीं जाह्नवी साउथ इंडिया की सुंदरी बनी हैं। अब फिल्म का फर्स्ट लुक टीजर भी जारी हुआ है जिससे कहानी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

मैडॉक फिल्म्स ने अपनी नई फिल्म परम सुंदरी का टीजर जारी किया है, जिसमें उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की लव स्टोरी की एक झलक नजर आती है। टीजर की शुरुआत में हमें सिद्धार्थ के किरदार परम का इंट्रोडक्शन मिलता है जो नॉर्थके गुरुग्राम शहर में काम करता है। वो एक टिपिकल लुक्स वाला हीरो है जिसे साउथ की सुंदरी जाह्नवी से प्यार होता है। दोनों के प्यार की गाड़ी आगे अच्छे से बढ़ती रहती है।

लेकिन इसी बीच एक ट्विस्ट उनकी लव स्टोरी में आता है, जिसके बाद मामला थोड़ा बिगड़ जाता है। सिद्धार्थ यानी परम के पीछे गांव के कुछ लोग चाकू, छुरी लेकर पड़ जाते हैं जिससे वो बचकर भागते नजर आते हैं। वो जाह्नवी को छोड़कर उदास उनके घर से चले जाते हैं। अब आखिर उनकी लव स्टोरी पूरी हो पाएगी या नहीं, ये फिल्म देखकर ही पता लग पाएगा। उनकी फिल्म 25 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म को तुषार जलोटा ने डायरेक्ट और दिनेश विजन ने प्रोड्यूस किया है।

मेट्रो बाजार

आरबीआई ने 2024 में 72.6 टन सोना खरीदा

मुंबई । भारत का गोल्ड रिजर्व 2024-25 में 57.48 टन बढ़कर 879.58 टन हो गया है। वहीं भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और 2025-26 में भी यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था रहेगी। आरबीआई ने 29 मई को अपनी एनुअल रिपोर्ट जारी की है। आरबीआई ने 2024 में 72.6 टन सोना खरीदा और 2025 के पहले दो महीनों (जनवरी-फरवरी) में 2.8 टन और खरीदा। अब भारत के पास कुल 879.58 टन सोना है, जो इसे दुनिया का सातवां सबसे बड़ा गोल्ड रिजर्व वाला देश बनाता है।

नोट छापने की कॉस्ट 25 फसदी बढ़कर 6,372.8 करोड़ रुपए हुई- 2024-25 में नोट छापने का खर्च 25त्न बढ़कर 6,372.8 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल (2023-24) में 5,101.4 करोड़ रुपए था। इसका मतलब है कि नोट छापना महंगा हो रहा है। शायद कागज, स्याही, और सिक्योरिटी फीचर्स की लागत बढ़ने की वजह से ये महंगा हुआ है।

रियल जीडीपी ग्रोथ 2025-26 में 6.5 फीसदी रहने का अनुमान- 2025-26 के लिए रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है। 2023-24 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.6 फसदी रही, जो पिछले साल (2022-23) के 7.0 फीसदी से बेहतर है।

ओला का घाटा दोगुना, 870 करोड़ पहुंचा, चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 62% घटा

मुंबई । भारत की तीसरी बड़ी इलेक्ट्रिक टू व्हीलर मैन्युफैक्चरर ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 870 करोड़ रुपए का शुद्ध नुकसान (कॉन्सोलिडेटेड नेट लॉस) हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी को 416 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। सालाना आधार पर कंपनी का लॉस 50 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने गुरुवार को तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। ऑपरेशन से कंपनी के रेवेन्यू की बात करें तो जनवरी मार्च तिमाही में यह 611 करोड़ रुपए रहा है। सालाना आधार पर घाटा दो गुना हुआ है। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी ने 1,598 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया था। वस्तुओं और सेवाओं को बेचने से मिली राशि को रेवेन्यू या राजस्व कहा जाता है। व्हीकल्स की बिक्री में तीसरे नंबर पर पहुंची ओला

इसके अलावा ओला इलेक्ट्रिक बिक्री के मामले में तीसरे नंबर पहुंच गई है। वाहन पोर्टल के अनुसार मई महीने में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 20 फीसदी रह गई है।बीते साल मई के मुकाबले व्हीकल्स की बिक्री में 60 फीसदी की गिरावट आई है। 2025 के मई महीने में सिर्फ 15,221 वाहन रजिस्टर हुए, जबकि पिछले साल मई में यह आंकड़ा 37,388 था। वहीं पुराने प्लेयर टीवीएस मोटर 25त्न मार्केट शेयर के साथ पहले नंबर पर है। बजाज ऑटो 22.6 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर है। एथर एनर्जी का मार्केट शेयर अप्रैल के 14.9 फीसदी से घटकर मई में 13.1 फीसदी रह गया। गुरुवार को ओला इलेक्ट्रिक का शेयर 0.5 फीसदी की तेजी के साथ 53.20 रुपए पर बंद हुआ। एक महीने में ओला का शेयर 6 फीसदी से ज्यादा चढ़ा है। वहीं पिछले एक साल में शेयर 41 फीसदी से ज्यादा टूटा है। ओला का मार्केट कैपिटल 22.20 हजार करोड़ रुपए है।

दीपिका पादुकोण को मिला अजय-काजोल का साथ

डायरेक्टर वांगा का नाम लिए बिना साधा निशाना

दीपिका पादुकोण इन दिनों डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा से मतभेदों को लेकर चर्चा में हैं। जब से उन्होंने स्पिरिट फिल्म से बैक-आउट किया है, उनके लेकर कई बातें कही जा रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका ने संदीप रेड्डी से मोटी फीस के साथ-साथ 8 घंटे की शिफ्ट की डिमांड की थी। अब इसे लेकर इंडस्ट्री में भी चर्चा हो रही है, वहीं इस पर काजोल और अजय देवगन ने भी रिएक्ट किया है। बता दें कि काम करने वाली मदर्स के लिए 8 घंटे शिफ्ट की बहस पर अजय देवगन और काजोल ने दीपिका पादुकोण का खुला सपोर्ट किया है। दरअसल मां के ट्रेलर लॉन्च पर एक्ट्रेस और उनके पति अजय देवगन से पूछा गया कि क्या मां के लिए 8 घंटे काम करने की मांग जायज है, तो काजल ने जवाब दिया कि ठीक है, मुझे यह पसंद है कि आप कम काम कर सकते हैं और।.. ! इतना जवाब देने के बाद अजय देवगन ने बीच में काजोल को रोक दिया। अजय देवगन ने पत्नी और एक्ट्रेस काजोल को बीच में रोकते हुए माफी मांगी और कहा।। ऐसा नहीं है कि यह लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। बहुत से लोग अब इसे समझ रहे हैं। मैं कहूंगा कि इंडस्ट्री के ईमानदार फिल्ममेकर्स को इससे कोई समस्या नहीं होगी। इसके अलावा एक मां होने और 8 घंटे काम करने के कारण, ज्यादातर लोग 8-9 घंटे की शिफ्ट करने लगे हैं। ये पर्सन टू पर्सन डिपेंड करता है। इंडस्ट्री के ज्यादातर लोग इसे समझते हैं।

संदीप ने किया था पलटवार

स्पिरिट फिल्म से दीपिका बाहर होने के बाद संदीप पर तीखा पलटवार किया था। वांगा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें उन्होंने बिना नाम लिए दीपिका पर गंदे पीआर गेम्स खेलने का आरोप लगाया। साथ ही अपनी फिल्म की कुछ कहानी भी रिवील करने का आरोप लगाया। संदीप ने लिखा था- ऐसा करो।।।अगली बार पूरी कहानी बोलना।।। क्योंकि मुझे जरा भी फर्क नहीं पड़ता। डर्टी पीआर गेम्स। मुझे ये कहावत बहुत पसंद है- खुंदक में बिल्ली खंबा नोचे।

तृप्ति डिमरी की हुई एंट्री

दीपिका की डिमांड न मानने पर अब डायरेक्टर संदीप रेड्डी ने तृप्ति डिमरी को फाइनल किया है। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसे शेयर किया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक्ट्रेस को फिल्म के लिए 4 करोड़ रुपये फीस मिली है।

अवधपुरी में 4 घरों के ताले टूटे, लाखों की चोरी संदिग्ध युवती सीसीटीवी कैमरे में आई नजर

फुटेज के आधार पर पुलिस कर रही गिरोह की तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित सौम्या ग्रीन कॉलोनी में एक साथ चार घरों के ताले टूटने के मामला सामने आया है। घरों से ताला तोड़कर बदमाश लाखों का माल समेटकर ले गए। पुलिस ने केवल एक घर में रहने वाले फरियादी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की है, जबकि दूसरे घर में चोरी के मामले में शिकायती आवेदन लेकर जांच का आश्वासन दिया। कॉलोनी के दो अन्य घरों में चोरी की जानकारी पुलिस को नहीं है, जबकि कॉलोनीवासी एक ही रात में चार घरों में लाखों रुपए की चोरी होने की बात कह रहे हैं। रहवासियों का कहना है कि कुछ चोर वारदात के बाद कॉलोनी से निकलते हुए सीसीटीवी कैमरे में नजर आए हैं, जबकि एक संदिग्ध युवती भी सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। पुलिस हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार घटना 24 मई की रात की है। पुलिस ने बताया कि सौम्या ग्रीन विला कॉलोनी निवासी अंकुल बबेले प्राइवेट काम करते हैं। 22 मई को वह परिवार के साथ छतरपुर अपने पैतृक गांव गए थे। 28 मई को लौटे तो घर के मुख्य गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखने पर पता चला कि अलमारी से अज्ञात चोर नगदी व जेवरात समेत करीब एक लाख रुपए के माल चुराकर ले गए। एसआई रामदेनी राय का कहना है कि कॉलोनी में रहने वाले राघवेन्द्र सिंह चौहान ने भी अपने घर चोरी होने का शिकायती आवेदन दिया है। उनका कहना है कि अज्ञात चोर अंदर से बंद उनके घर चिटकनी खोलकर अंदर घुसे थे और लाखों का सामान चुराकर ले गए। मामला संदिग्ध लग रहा है। जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज भी पूरी तरह साफ नहीं हैं। आरोपियों की पहचान और संख्या पता नहीं चल सकी है।

सौम्या ग्रीन विला कॉलोनी में रहने वाले राघवेंद्र सिंह चौहान मेडिकल डिवाइस का काम करते हैं। विगत 24 मई को अपने परिवार के साथ मनाली गए थे। इसी तरह सौम्य ग्रीन कॉलोनी में उनके घर की तरह अन्य तीन मकान पर भी ताले लगे थे। चोरों ने कॉलोनी की रेकी की और जो चार मकान उन्हें खाली मिले, वहां चोरी की वारदात को अंजाम दिया। राघवेंद्र सिंह का कहना है कि चोरों ने कुल 4 घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए 20 लाख से अधिक का माल चोरी किया है।

नकजनी में हाथ लगा माल बेचते समय दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

कोलार पुलिस की कार्रवाई, सोने-चांदी के जेवरात बरामद

भोपाल। कोलार पुलिस ने दो नकबजनों को गिरफ्तार कर उनसे नकबजनी में हाथ लगे सोने-चांदी के जेवरात जब्त किए है। आरोपियों पांच दिन पूर्व ही नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया था। वारदात में हाथ लगा सामान वह इलाके में बेचने का प्रयास कर रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दोनों नकबजनों को दबोच लिया है। पुलिस के अनुसार राहुल नेमा, डी-28 सांईनाथ नगर, डी-सेक्टर कोलार में रहते हैं और प्राइवेट काम करते हैं। 25 मई की सुबह वह परिवार के साथ कार से जबलपुर गए थे। दो दिन बाद 27 मई को पड़ोसी संजय लांबा ने उन्हें कॉल कर बताया कि मेन गेट का ताला टूटा है। सूचना मिलते ही वे परिवार के साथ जबलपुर से भोपाल निकल गए। घर आकर देखने पर पता चला कि मेन गेट के ताले टूटे हुए है और अंदर का सामान बिखरा पड़ा था। घटना की शिकायत उन्होंने तत्काल पुलिस को की। पुलिस ने नकबजनी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ईसान विस्टा कॉलोनी में पल्सर सवार बदमाश चोरी का माल बेचने की फिराक में है। सूचना के बाद हरकत में आई पुलिस ने इलाके की घेराबंदी करते हुए दोनों संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अतीक खान उर्फ आसू खान पिता मोहम्मद रफीक खान (28) सेठी नगर मस्जिद के पास वसीर भाई का मकान अशोका गार्डन और अफजल अली पिता महवूब अली (30) कच्ची मस्जिद के पीछे समरीन बाजी का मकान शाहजहांनाबाद भोपाल बताया। तलाशी लेने पर आरोपियों के पास से नकबजनी में हाथ लगे सोने चांदी के जेवरात बरामद कर लिए गए।

कार की टक्कर से पलटा इलेक्ट्रिक रिक्शा, छात्रा घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निशातपुरा इलाके में कार की टक्कर से इलेक्ट्रिक रिक्शा पलट गया। इस हादसे में रिक्शे में बैठी एक कालेज छात्रा को नीचे दबने से गंभीर चोट आई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार ग्राम चोपड़कला थाना सूखी सेवनिया में रहने वाली रोशनी कुशवाह (20) कालेज में पढ़ती है। बीती सत्ताईस मई की दोपहर करीब बारह बजे वह अपनी दो अन्य सहेलियों के साथ इलेक्ट्रिक रिक्शे में बैठकर भानपुर तिराहा होते हुए डीआईजी बंगला जा रही थी। रिक्शा जैसे ही पीपुल्स अस्पताल हाथी गेट के सामने पहुंचा, तभी क्रोमा शोरूम के सामने एक कार ने रिक्शे में टक्कर मार दी, जिससे रिक्शा पलट गया। इस हादसे में रोशन रिक्शे के नीचे दबकर घायल हो गयी। सहेली ने घटना की जानकारी रोशन के भाई मनीष कुशवाह को दी, जिसके बाद वह मौके पर पहुंचा। घायल छात्रा को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वह बोलने की स्थिति में नहीं थी, इसलिए भाई मनीष ने कल थाने जाकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई।

11वीं की छात्रा से होटल में दुष्कर्म, तीन माह तक दैहिक शोषण किया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पड़ोसी युवक द्वारा ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा से करोंद की एक होटल में दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी कॉलेज छात्र है और छात्रा के पड़ोस में रहता था। उसका छात्रा के घर आना जाना था। दोस्ती होने के बाद वह छात्रा होटल में लेकर पहुंचा और वहां डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया। करीब तीन माह से आरोपी छात्रा के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हनुमानगंज थाना क्षेत्र में रहने वाली 17 साल की किशोरी ने इस साल दसवीं कक्षा की परीक्षा की पास की है और 11 वीं कक्षा में प्रवेश लिया है। चौपड़ा कला में रहने वाला बिट्टू कुशवाह (20) पहले छात्रा के पड़ोस में रहता था। इसी वजह से उनके बीच जान-पहचान थी। चौपड़ा कला शिफ्ट होने के बाद से बिट्टू ने छात्रा से दोस्ती बड़ा ली थी। दोनों साथ घूमने जाने लगे थे। इस बीच 17 मार्च 2025 को आरोपी बिट्टू बहाने से छात्रा को करोंद की एक होटल ले गया और डरा-धमकाकर उससे संबंध बनाए। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद से आरोपी ने कई बार छात्रा के साथ शारीरिक संबंध स्थापित किए। दोनों का अधिक मिलना-जुलना देख परिजनों को संदेह हुआ। पूछताछ करने पर पीड़िता ने अपने माता-पिता

को सारा घटनाक्रम बता दिया। माता-पिता ही अपनी बेटी को थाने लेकर गए और आरोपी बिट्टू कुशवाह के खिलाफ प्रकरण दर्ज करा दिया। उसकी तलाश की जा रही है।

बड़े तालाब में मिली अज्ञात युवक की लाश

भोपाल। तलैया थाना क्षेत्र स्थित शीतला माता के मंदिर के पास बड़े तालाब में बुधवार शाम एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव हमीदिया अस्पताल में रखवा दिया है। शिनाख्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। पहचान होने पर परिजनों की मौजूदी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। फिलहाल मर्ग कायम कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक बुधवार दोपहर करीब ढाई बजे सूचना गोताखोरों ने सूचना दी कि शीतला माता के मंदिर के पास बड़े तालाब में 25-30 साल के एक युवक का शव पानी में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से कुछ देर बाद ही शव पानी से बाहर निकाल लिया। मृतक का शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव करीब 24 घंटे पुराना लग रहा है। गोताखोरों का कहना है कि उन्होंने युवक को आसपास घूमते देखा है। वह सूखा नशा करने का आदी था। गोताखोरों ने कई बार उसे पानी दूर भगाने का प्रयास किया था।

ट्रक की टक्कर से भाई-बहन समेत चार गंभीर घायल, पीरिया जोड़ बायपास मार्ग पर हादसा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी इलाके में गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार भाई-बहन समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मनीष मेहरा (20) राजाभोज कालोनी मंडीदीप में रहता है और एक कंपनी में हेल्परी का काम करता है। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे वह अपनी बहन खुशी, मौसेरी बहन पलक और मौसेरे भाई पृथ्वी के साथ बाइक से लांबाखेड़ा जाने के लिए निकला था। सुबह करीब दस बजे वह मिसरोद बायपास मार्ग से वह पीरिया जोड़ बायपास मार्ग खजूरी कला के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक के चालक ने उसे साईड से टक्कर मार दी, जिससे चारों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सड़क की तरफ गिरी खुशी के पैरों पर ट्रक का पिछला पहिया चढ़ गया, जिससे उसे गंभीर चोट आई है। राहगीरों से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायलों को इलाज के लिए रायसेन रोड स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची पिपलानी पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

निजी बैंक कर्मचारी ने फांसी लगाकर दी जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो। शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित ऋषिराज स्टेट, ऋषि नगर में निजी बैंक की कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार सोनाली शर्मा पिता अंगद शर्मा (24) ऋषिराज स्टेट, ऋषि नगर शाहपुरा में रहती थी। वह किराए के मकान में अकेली रहती थी, जबकि माता-पिता कोलार में रहते हैं। सोनाली गुलमोहर में यस बैंक की शाखा में पदस्थ थी। बुधवार दोपहर उन्होंने अपने कमरे में फांसी लगा ली। पड़ोसियों की नजर उनकी खिड़की पर पड़ी तो सोनाली फांसी के फंदे पर लटकी नजर आई। पड़ोसियों ने घटना की जानकारी मकान मालिक को दी। मकान मालिक रात करीब दस बजे पहुंचा। मकान मालिक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस का कहना है कि सोनाली का मोबाइल जब्त किया गया है। मोबाइल की सीडीआर निकलवाई जा रही है। इसके अलावा पैटर्न लॉक है। लॉक खुलवाने के बाद मोबाइल की जांच की जाएगी। फिलहाल आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका है।

ट्रेन के बाथरूम में दो टोटियां चुराते रंगे हाथों चोर को दबोचा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर खड़ी ट्रेन के बाथरूम नल की दो टोटियां चोरी करते चोर को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि कबाड़ी को चार टोटियां बेची है। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त प्रशांत यादव ने बताया कि आरपीएफ के उपनिरीक्षक अवधेश कुमार, आर कृष्णकुमार और मधुसूदन यादव स्टेशन पर नियमित गश्त कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 5 पर खड़ी ट्रेन के बाथरूम से कुछ आवाज आई। जैसे ही अधिकारी अंदर पहुंचे, उन्होंने देखा कि एक युवक टोटी निकालने में जुटा था। पकड़े गए युवक ने अपना नाम दिनेश अहिरवार निवासी भोपाल बताया। तलाशी में उसकी जेब से दो टोटियां बरामद हुई। उनसे खुलासा किया कि दो दिन पहले भी वह चार टोटियां चुरा चुका है, जिन्हें उसने फूटा मकबरा छोला रोड स्थित एक कबाड़ी समीर खान को बेची थी। आरपीएफ ने चार टोटियां जब्त कर ली है।

स्कूटर सवार व्यक्ति को कार चालक ने मारी टक्कर

भोपाल। कमला नगर में एक तेज रफ्तार कार चालक ने स्कूटर सवार व्यक्ति को टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक अरेरा कालोनी में रहने वाले मुनींद्र सिंह चौहान (52) श्यामला हिल्स स्थित एक स्कूल में नौकरी करते हैं। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे वह स्कूटर से ड्यूटी पर जा रहे थे। अम्बेडकर नगर तिराहे के पास एक काले रंग की तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। चौहान को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

मेट्रो एंकर नाबालिग के साथ रह रहा था युवक, पुलिस ने गौरवी संस्था भेजा

स्नैप चैट पर दोस्ती के बाद हरियाणा से बैंककर्मी की बेटी का अपहरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हरियाणा से बैंककर्मी की 17 साल की बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजन ने हरियाणा पुलिस में शिकायत की और पुलिस ने अज्ञात आरोपी पर अपहरण का प्रकरण दर्ज कर लिया है। इस बीच पता चला कि नाबालिग भोपाल में है और किसी शाकिर अली के साथ अयोध्या नगर में रह रही है। परिजन ने भोपाल में रिश्तेदारों से संपर्क किया। रिश्तेदार और हिंदू संगठन नाबालिग को लेकर अयोध्या नगर थाने पहुंचे। पुलिस ने नाबालिग को गौरवी संस्था भेज दिया है, जबकि उसके साथ मौजूद युवक को हिरासत में लिया गया है। हरियाणा पुलिस के भोपाल पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार हरियाणा में रहने वाली 17 साल की किशोरी 11वीं कक्षा की छात्रा है। गत दिनों वह घर से रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। उसके परिजन ने हरियाणा पुलिस को शिकायत की। परिजन और पुलिस बच्ची की तलाश कर रही थी। इस बीच पता चला कि बच्ची भोपाल में अयोध्या नगर इलाके में शाकिर अलीी नामक युवक के साथ रह रही है। परिजन ने रिश्तेदारों को घटना की जानकारी दी। गुरुवार को रिश्तेदार हिंदू संगठन के साथ पहुंचे और नाबालिग साहित शाकिर अली को लेकर थाने पहुंचे थे।

उत्तराखंड का है शाकिर अली

पूछताछ में पता चला कि शाकिर अली (23) मूलतः-समोली, उत्तराखंड का है और देहरादून की एक होटल में काम करता है। उसकी स्नेप चेट पर नाबालिग से दोस्ती हुई थी। दोस्ती होने के बाद नाबालिग और शाकिर अली देहरादून में मिले। वहां से दिल्ली पहुंचे और दिल्ली से भोपाल आकर रहने लगे थे। प्रकरण हरियाणा का होने के कारण अग्रिम कार्रवाई हरियाणा पुलिस द्वारा की जाएगी।

कार की टक्कर से स्कूटर सवार फिजियोथेरेपिस्ट युवती घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शाहपुरा इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने स्कूटर सवार युवती को टक्कर मारकर घायल कर दिया, वहीं हनुमानगंज इलाके में आयशर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल हुआ है। पुलिस ने दोनों ही मामलों में केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार दानिश कुंज कोलार रोड निवासी दीपा मेहरा (26) एक निजी अस्पताल में फिजियोथेरेपिस्ट है। सुबह करीब पौने नौ बजे वह अपनी स्कूटर से ड्यूटी पर जाने के लिए निकली थी। एक्सिस बैंक चौराहा बावडिया कला के पास एक कार चालक ने उसकी स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे वह स्कूटर समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गई। अस्पताल में इलाज कराने के बाद युवती ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया है। इधर बिहारी कालोनी भानपुर थाना छोला मंदिर निवासी चंदन माझी (25) आटो मैकेनिक का काम करता है। गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे वह अपनी मोटर सायकिल से भानपुर से छोला रोड होकर हमीदिया अस्पताल जा रहा था। अग्रवाल धर्मशाला तिराहे के पास साईड से चल रहे आयशर ट्रक के चालक ने अपनी गाड़ी अचानक कबाडख़ाने की तरफ मुड़ते हुए चंदन की बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गया। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया कार्यकारी संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022